

॥ ॐ नमो श्री वीतरगाय ॥ नमो अरिदे  
 ताणो ॥ नमो सिद्धाणो ॥ नमो आरिग्याणो ॥ नमो न  
 वद्यायाणो ॥ नमो लापस  
 ॥ एसापंचनामाकारा ॥ स  
 णासराणामंगलाणंचस  
 मंदवइसंगलं ॥ १ ॥ तगां  
 तगांसमपणंसमंनगवंसदावीरपंचदकत्रे  
 द्वाबा ॥ दकत्ररादिंचुप ॥ वइत्तागशं वकंस ॥ द

वसाह्णां  
 वपावपा  
 विमिण्ट  
 कालां



R.E.  
 MSS

= श्रावणसुदश्या = १

<sup>असमसोनी</sup>  
 ननुमास। अहामपरक। आसाठ सुद्व। तस्मां आसाठ सुद्वस्म। षडीदि।  
 वासां। महा विडयप्युत्तरपवरपुंडरीयानुमहाविमाणात। वीससागला  
 वमहिइयानु। आनुकण। लवरकणं। आणंतंचयंवइत्ता॥  
 इहवडं बुडीवडीव॥ नाराहवास। इतीअनुअण्णणीप। सु  
 मसुसमापसमापविइ। कंताप। सुसमापसमाविइकंताप। सुस  
 मडुसुसापसमापविइकं। ताप। दुसमसुसमापसमापबडुविइकं  
 ताप। पंतदत्ररीवासदिं। अहनवासदियमासदिं। इकवीसापति।  
 वयारदिं। इरकागुकलसमुणात्रदिं। कासवगाहदिं। दादियदरिवंसक

= देवपककायं तस  
विइरकणं x ३

२

लसमुष्णाम्दिं। एयमसागात्रदिं। तवीसाएतिष्ठयारदिं। विरुक्तादिं। स  
 मणालगवंसदावीर। चरिसतिष्ठगार। सुवतिष्ठयरतिदिह। मादणकुंडगा  
 मरयार। उमलदत्रस्माद  
 बाणंदापमादणीप। जालं  
 गुंशि। दकत्ररादिंतरक  
 तीप। नववकंतीप। मरीरव  
 नगवंसदावीर। तिसाणावगएवाविदात्रा॥ उरुस्मानितिडाणाइ। वयमाणा  
 नयाणाइ॥ सुपमितिडाणाइ॥ ऊंरयणां चणां समणालगवंसदावीर। दवाणां



तिदेवगतिस्वागेन=२  
 शरीरस्वागेन=२  
 नैकपगतोद-रूय=२

॥ नादितोपारं वज्जो  
 नवं अमं यते जम्भं।  
 चितिष्ठयरो। अप  
 वं दामि॥ जडापु  
 मूयाविदेहाइवक्क  
 अष्टीतिष्ठयराणी। उ  
 उत्तमं नरुग। इक्के  
 सीरण॥ ३

दवाहारपरित्यागे

॥ यद्यविदेवानां अण  
 जा कुर्वा। मा अर्थस्वार्नि

दाएसादणीएजालंधरसागाज्ञाए। कञ्चिसिगप्र  
 ज्ञापवकंता। तंरयणिंवरंसादवाणंदासादणी  
 । मयणिद्यंसिसुत्रडागरान् <sup>३</sup> दीरमाणी  
 पुशमपयाकृ। वनरालक <sup>३</sup> ज्ञाणा।  
 सिवधान्न। मंगल्ल। मस्मि <sup>३</sup> शीए। वा  
 दसमद्वसुमिणापामिज्ञाणं <sup>३</sup> पडिबुवा  
 ॥ तंऊदा ॥ गय। वसद्वसीद्व <sup>३</sup> अस्मिसयध  
 दासधससिददिणयं <sup>३</sup> कुरं <sup>३</sup> कुं सं ए पत्रमस

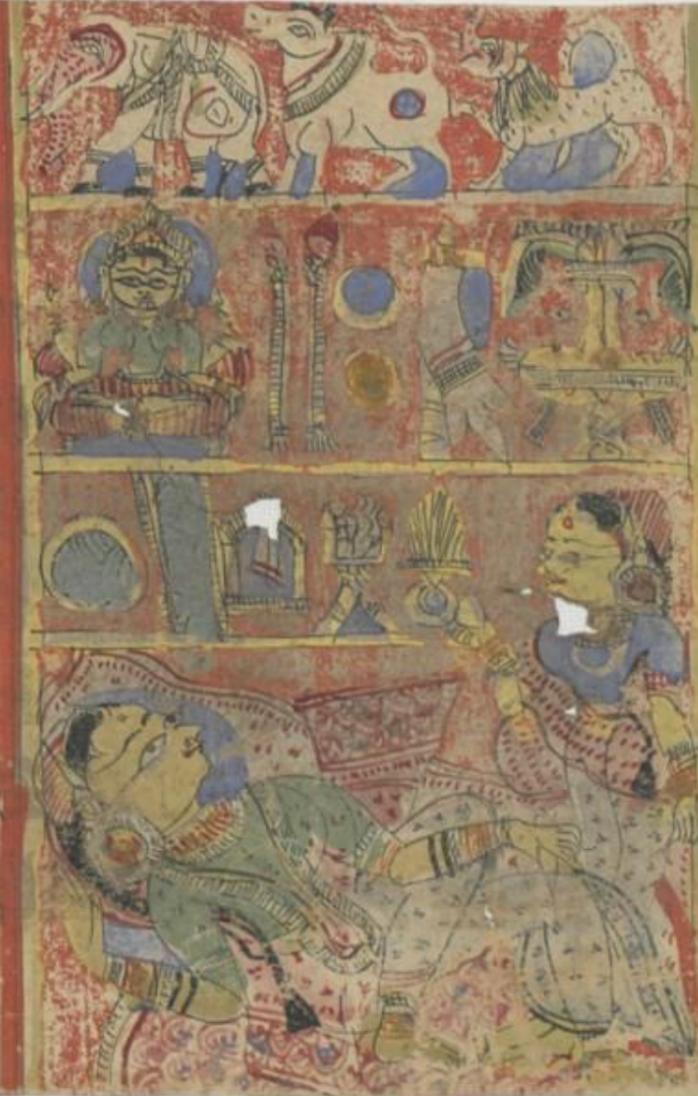


३

र॥सागर॥ विमानसवण॥ रयपुत्रय॥ सिद्धिं॥ ॥ ॥ तपणं सादवाणं  
 दासादणीतसुमिणायासइ॥ तसुमिणायासिन्ना॥ दहउहविन्नसाणंदिवा॥ पी  
 इमणा॥ परमासासणस्मिया ॥ धमराहयकयंबपुष्पं पिवससुसा  
 सियारासकुवा॥ सुमिणाह ॥ गादंकारइ॥ सुमिणागादंकरिन्ना॥ सय  
 णिद्यानअश्राहइ॥ अश्राह ॥ ता॥ अववलमत्रुशियमसंनंताप॥ राय  
 दंससरिसापगईप॥ डिगो ॥ वनससदाहसादणा॥ तणावववागह  
 इ॥ उवागत्रिन्नाउसलदसंसादणंऊपणं विऊपणं वहावइवहाविन्ना॥ नहास  
 णवरगाया॥ आसन्नावीसन्ना॥ करयलपरिगादियंसिरसावसंदसतदंसच्च

एतं कलिकहु ॥ एतं वर्यामी ॥ एतं खलु अहं देवापुण्या ॥ अद्य मयि गिं चं मि  
 सुत्रजागरानुहीरमाणीपुडासपयाहुव नंगालजावसस्मिरीपवाहसमहासु  
 मिणायासिजाणंपडिबुहा ॥ तं जहा ॥ गयजावसिंहिव ॥ पपमिणां  
 देवानुगलाणं जाववाह ॥ सगदं महासुमिणाणां कमस्मकलाणा  
 फलवित्रिविमासनविस्म ॥ इतणांसुससदहमाहणा देवा  
 णंदापमाहणीपअंतिपयय ॥ महंसाद्या ॥ तिससदहवुठचित्रजाव  
 दिगप ॥ धराहयकलंबुयंयिवससुसमियारासकव ॥ सुमिणागादंकार  
 करिजा ॥ इहं अणुयविमइ ॥ अणुयविमिवा ॥ अणुयणासाहाविणां ॥ मइपुवप

गं बुद्धि विनाणां । देवाणां द्वापमाहृणिं ॥ एवं  
 वयामी ॥ उरालाणां उमादेवायुषिपसुमिणा  
 दिहा कलाणां मिवा धना । संग  
 ला । मस्मिरीया ॥ आरा गत्रुहिदी  
 दानं कलाणां । संगलर कारगाणं  
 उमादेवायुषिपसुमिह गादिहा ॥  
 तं द्वा ॥ अत्रलालादेवायुषिप । लागलाला  
 देवायुषिप । पुत्रलालादेवा । एकारकलालादे



५  
 ५

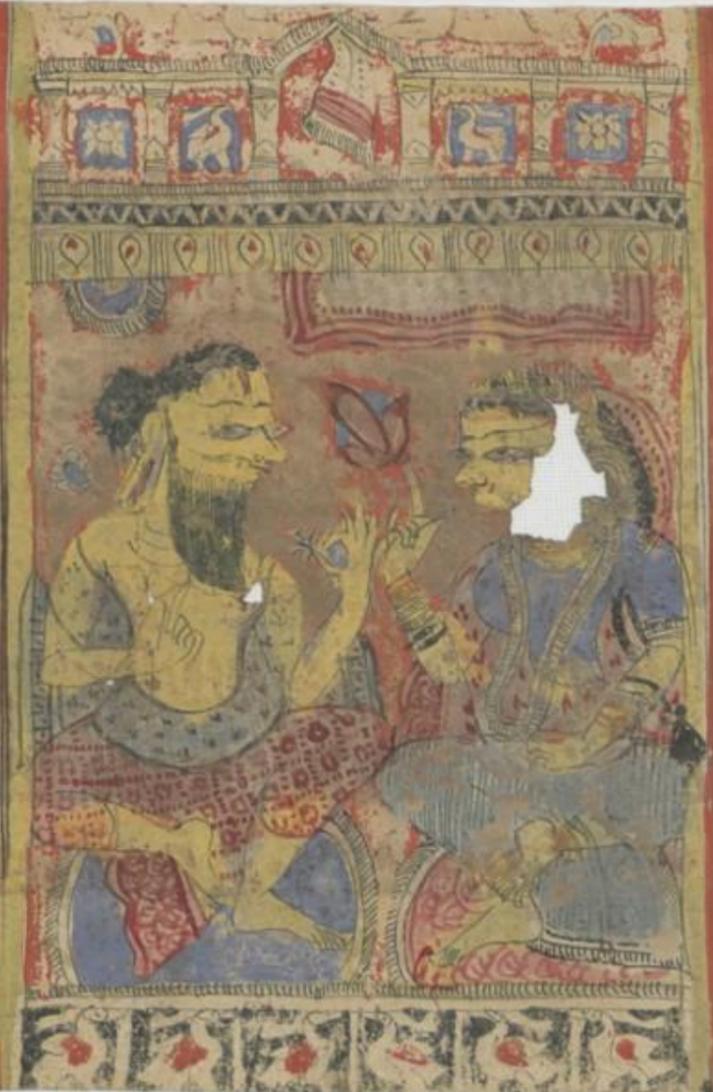
वा। एवंग्रलुत्रमंदवाणुणिए। एवंग्रमासां। बडुपडिपुसां। अहहसाण  
 गइंदियाणं विइकंताणं। सुकमालयागिणायं। अदीणपडिपुत्रपचंदियस  
 रीरं। लरकणवंकगायुणो वावयं। साणुसाणयसाणपडिपुससुडास  
 यमवंगसुंदरंगं। समिसो साकारं कंतं पियं दंसं। सुडुवंदरं यं प  
 यादिसि। सवियणं दार एउसुकवालसाददि। सायपरिणायसात्र  
 ।डावणगमणुणय। वि नुवय। कुनवय सासावय अषवगावय  
 इतिदासपठपंठसाणं। निघटबट्टाणं। संगावंगाणं। सरहसाणं। वनगहं वया  
 णं। वारणसारणपारणधरण। मडंगरी। सडितंतविसारण संखाणा। सिरकाक।

= वारण अशुद्रपाठ निषेधता = वारण अध्यापनेन प्रवर्तक = वारण वर्तमानापी = धरण पूर्वधीतान् धरयकुं दमः = १

ष्य वागरणं वेदतिरुत्वा। जाइ सामयण। अत्र सुयवद्भु सुबं नमपसु परि।  
 वायपसुनपसुपरिणिहिण आविनविस्साइ। संनरा लाणं उमादवाणुयिण जाव  
 आरागात्रुहि दीहानयमं मलकारगाणं उमादवाणुयिण सुमिणा  
 दिहात्रिकहुचुजापअ गुबुद्धइ। तपणं आदवाणं दासादगीन  
 सनदत्रसादगास्मअंति पययसहंसाद्या तिससदहडक दिय  
 याकरयलपरिगादियं। सिरसावतंद सतदं सत्रपइं डालिकहु  
 नसलदत्रंसादगां एवंत्रयासी। एवामयंदवाणुयिया तदामयंदवाणुयिया  
 अदितदामयंदवाणुयिया अंसदिहामयंदवाणुयिया इचियामयंदवा।



गुणिया पडिचियसयंदवाणुणिया इचियपडि  
 चियसयंदवाणुणिया पडिचियसयंदवाणु  
 णिया इचियपडिचियस यंदवाणु  
 सच्चरणं समसहस्रकद्वयं  
 यद्विकद्वु ॥ तसमिणाम  
 इतसुमिणामसंपडिचि  
 सच्चरणं सादणानं ॥ सहिनुरालाडं साणुसगाडं ॥  
 लालागाडं चुंजसाणी विहरइ ॥ ३ ॥ तणं ॥



संज्ञा

२५

ॐ

= शक्रव्यासनविशेषस्य अक्षि सुतो जाक्रः = दवानां मध्ये इदनात् देवेन्द्र = ऊल ज्ञापणि = अशुरादिपुत्राणां पारणात्पुत्रित्वा।  
= शतं क्रतूनी = १

कालाणां तेषां समयाणां साकृद्विंशतिरद्वयया वृष्ट्याणी पुरंदार सतकं स  
दस्माकं मधुवंपागसासणादादिगाहलागादिवर्षं ब्रह्मीसविमाणासुदस्य  
द्विवर्षं पृथग्वादाहणा सु रिंद अंगयववर्षं आलइयमाल  
मनुडं तं वाहसवाकृद्विंशतिं वंचलकुंडुलविदिदि यसाणां गं ह मह  
हीणं महकुंडुणं महब्राल महायस महापुनाव महा क  
सासुरावादी एतंबवणासा लधर आहसकण आहस कुं स  
ता विमाणा सुदसाण सलाप सक्ं सि सीहासां सि साणां तच्च ब्रह्मीसाण विमा  
णा वाससयसाहसीणां चतुरासीण सासाणायसाहसीणां तायत्रीसाण तायत्री



मगाणं। चतुर्दशलागयालाणं। अष्टादशअयामदि  
 मीणं। सपरिवाराणं। तिष्ठं परिमाणां। सत्रादं अ  
 गीयाणं। सत्रादं अगियां  
 चतुर्दशचतुरासीयाणं। आ  
 षट्शतस्मीणं। अन्नसिं  
 णं। सादसकयवासीणं  
 याणं। देवाणां। देवीणां। आदिवचं। पारवचं।  
 सामिहं। नद्विहं। महत्तुरगत्वं। आणाईसरासगा

दिवईणं  
 गुरस्क  
 चवहु  
 वमाणि



३

वच्चं।कारमाण।पालमाण।महयादयतदगीयवायइयतंतीतलतालत्रु  
 डियघणमुयंगपडुपडदवाइयरावणं।दिवाइंलागलागाइं।चुंइंसाणविह  
 दरइ॥इसंवणं।कवलक  
 पमाणपविदरइ॥तच्चर  
 दवासादादिगाइसरदे  
 स्मसादगासा।काडालस  
 पा।जालंधुरसगाज्ञाण।कुचिंसिगप्रज्ञाणवकंतयासइ।पासिज्ञा।दहडुहचिन  
 माणंदिणंदिण।परमाणंदिण।पीतिमाण।परमासासा।सिण।दरिसवराविस



यमाणादियपाधरादयनीवसुरनिकुसुमवंचुमालइयकमवियसासक  
 विविकमियवरकमलाणानयणापयलियवरकेडुगत्रुडियाकडूरमनुड  
 कुंडलद्वारविगयंतवच्च  
 संनमत्रुरियंचवलंसुरिंदे  
 वीहानपात्रारुदडपत्रो  
 निनुणावियणावियमिह  
 गानसुयडवमुइज्ञापगसाडियंचुन्नगसंगंकारडाकारज्ञाअंडलियगादाव  
 तिच्चगरानिसुहसन्नहपयाइअणुगच्चडाअणुगच्चिज्ञावासेडाणुअचडाह

15

८

वामंजाग्रदादिगांङ्गाणुंधरिणतलंसिसाद्वहु  
 तिरबुत्तासुद्वाणंधरिणतलंसिणावामद्। तिरकु  
 त्तासुद्वाणंतिवसित्ताईसिं पञ्चुस  
 मडपञ्चुसमित्ताकडगात्रु डियं  
 सियात्रुचुयान्चुयान्साह हरडा  
 कडरत्ताकरयलपरिगा हियंसि  
 रसावत्तंसत्रपअंकलिकहु॥ पवंवयासी॥ ताम  
 तुगां अरहंतागां नगवंतागां आदिगरागां ति



१ प्रथमया खनि



२५ नमो हुणे

१

ब्रह्मराणां। सयं संबुद्धाणां। पुरिस्मात्तमाणां। पुरिसमीक्षाणां। पुरिसवस्त्रुंडरीयाणां  
 पुरिसवरगंधद्वीणां। लागुत्तमाणां। लागताक्षाणां। लागद्वियाणां। लागपईवाणां।  
 लागपद्यायगणां। अन्न  
 दयाणां। डीवदयाणां। बाह  
 धम्मतायगणां। धम्मसारह  
 ताणां। सराणां। गईपइहा। अह  
 वनमाणां। डिगाणां। डावयाणां। तिन्नाणां। तारयाणां। बुद्धाणां। खादयाणां। मुन्नाणां।  
 मायाणां। सब्बुणां। सब्बुदंसीणां। सिवसयलसकयमाणां। तसकयसद्वाबाहमप्यु

५

६

एरावत्रिभिर्हिगडनामधयं। गणं संपन्नानां नामाङ्गिणां डियनयाणं। तस्मा  
 क्कणं। समणस्सलगतनुमहावीरस्स आटिकरस्स रसतिवयस्स। पुवतिवयस्स  
 स्सतिहिहस्स। ज्ञावसंपावि <sup>सिद्धगणनीधयंवाणं</sup> नुकामस्स वंटासिणंलगावंतं तन्नगयं।  
 इहगणुणामनुमलगावंता।  वृगणइहगयंसिद्धे। समणंलगावंस  
 हावीरंवंटइ। तसंसइयु। वंदिज्ञानसंसिपुहा। सीहामणुणं।  
 पुरत्तानिसुह। सन्निसान्न **॥** तणणं तस्स सक्काद्विंदस्सादवरान्ना  
 अयमयाहुव। अद्यत्तिप। चिंतिप। पत्तिपमणागणसंकाणससुय्यच्चिन्ना। तस्क  
 बुणयंसुयं। गणयंसवं। गणयंसविस्सं। ऊन्नंअरुहंतावा। चक्कवहीवा। वलादवा

वा। अंतकालसुवा। पंतकालसुवा। उच्चकालसुवा। दरिद्रकालसुवा। किवि  
 णकालसुवा। निरकारकालसुवा। मादणकालसुवा। आयाइंसुवा। आयाइं  
 तिका। आयाइंसंतिवा॥ एवंखुअरहंतावा। उक्तवहीवा। उक्त  
 दवावा। वासुदवावा। उक्तकालसुवा। इरकागकु  
 कालसुवा। अत्रयारसु  
 ससुआयाइंसुवा॥ अविपुणपामविनावालाग। उरयालाग। अणंताश  
 दिंनसण्णिणंनसण्णिणंदिंविइकंतादिंकयाससुण्णइ॥ १००॥ तामगात्रह

स्रवाकमस्र अरुकीणस्र अरुदयस्र अणिधिसस्र उदपणं डसं अरुदं  
 ता उरुवहीवा उरुतदवावा वासुदवावा अंतकालसुवा पंतकालसुवा उरु  
 कालसुवा दरिद्वनिरकाग किविण आयाइसुवा उरुताउरुवां ड  
 णीडस्रगातिरुकेणाणं निरुकिंसुवा निरुसंतिवा निरुसि  
 संतिवा अरुंउणंमस्रगा नगवंमहावीरसाडगा कुंडगा  
 उरुमनदस्रसाहणस्र काडालसागात्रस्र सारियापदवाणंद  
 एसाहणीप डालंधरस्रगासापकु विंसिगप्रज्ञापवकंत तंडीयसयसवं ती  
 यप्रबुयस्र सागागयाणं सकाणं उरुविंदाणं उरुवगुणं अरुदंउरुगवंत

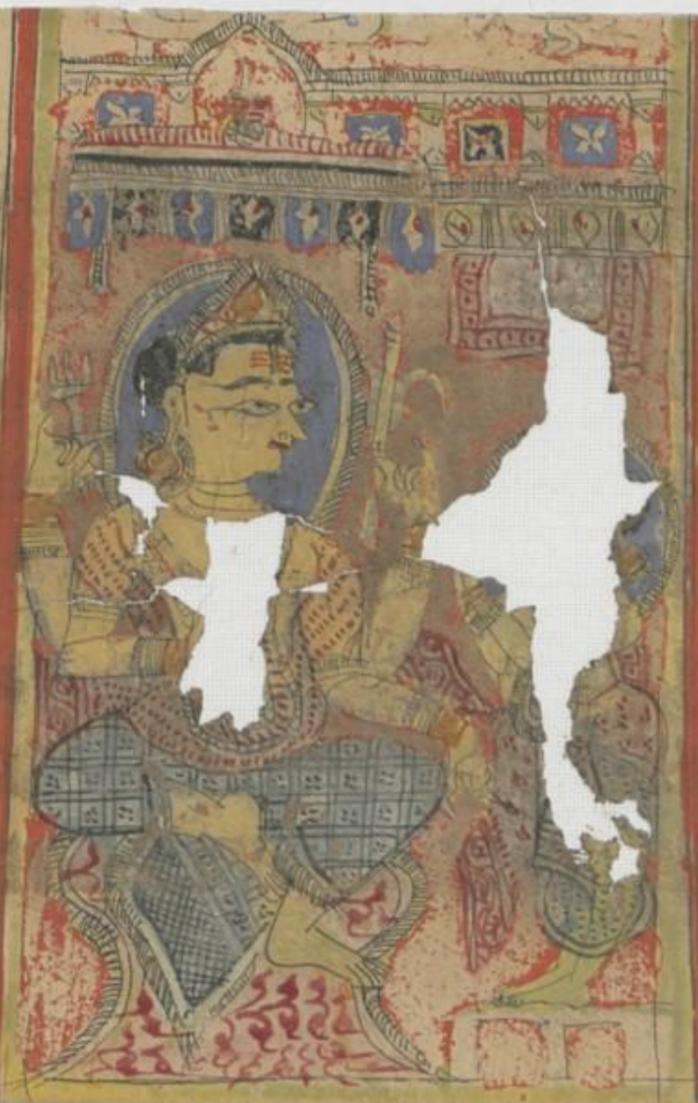


तद्व्यगारहिंता अंतकालहिंता पंतत्रुदरिहृतिरकागकिविणकालदि  
 ता तद्व्यगारसु उगाकालसुवा सागकालसुवा रायन्ननायकत्रियद्विं  
 म अमयारसुवा तद्व्यग  
 द्वावित्रप तंमयंखलु  
 चयं पुत्रतित्रयेतिदि  
 दत्रस्मादगास्माकाडाल  
 णीए डालंधरमगात्राएकवीव र्वत्रियकुंडगासतयारनायागोर्वत्रिया  
 णंमिद्वस्मरत्रियस्मकासवगात्रस्म साधियाएतिमलाएस्वत्रियाणीए वा

सिद्धसाक्षात्। कृत्स्निमिगप्रज्ञाप। सादरावित्तप। इवियगांसतिमन्त्र  
 रवत्रियाणीपगाप्रंतं। पियगां। देवागां। दापसादणीप। डालधरसागात्र। क  
 त्विमिगप्रज्ञापसादरावि। त्तपतिकुहु। एव। यदित्ता। व। शिगा  
 गासमिंपायज्ञाणीयादि। वईदवंसहा। शिगा। इद  
 वंसहाविज्ञा॥ एवंवयासी ॥ एवंबलुदवापुयिया। ए। प्रयं  
 ॥ एपयंजवं। एपयंजवि। स्मं॥ डमं। अरुदंतावा। वक व। वा  
 सुदवावा॥ अंतपंत। किविगा। दरिद्व। वृत्त। शिक्का। आयाडसुवा॥ एवंबल  
 लुअरुदंतावा। वकवलवासुदवावा॥ उगाकुलसुवा। सागकुलसुवा। ग

यमं। नायगवत्रियडरकागा। हरिवंसकालसुवा  
 अनयारसुवा। तदणगा। सुविमुहडाडकु  
 लवंससुआयाइंसुवात्र  
 एणसलावलागा। चुर  
 अणंतादिंनसंयिगादिं  
 तादिंसमुण्डाशा। नाम  
 वासकमसअरकीगासा। आवडयसा। अणिजि  
 नसा। नदणगां। डमं। अरदंतावा। वकवही।

अत्रिपु  
 यदण।  
 विडकं  
 एणस



वा। वलदवावा। वासुदवावा। अंतकालसुवापंतकालसुवा। उच्चकालसुवा  
 किविगादरिद्विर्काग। आयाडंसुवावणाचवगांडाणीडिसगांतिरकसगा  
 गोंतिरकसिसुवावउरुंघगां। समणानगवंसदावीर। डंबुदीवगना  
 रादवासा। सादगाकुंडगा। सतगर। उसनदत्रसमादगास। का  
 दालसागात्रसनारियाप। । दवागांदायसादगाप। डालधरसागात्र  
 प। क्विंमिगप्रनाएवकात। । संडीयसयं तीयपबुंयससगागयागं  
 । सकागां। दिविंदागां। दवराडीगां। अरदंतनवंत। तदयगारदिंता। अंतकले  
 दिंता। पंतकिविगादरिद्विउच्च। वणीसगजावसादगाकालदिंता। तदयगार

श्री काल रो  
तत्रोव माध

सु। उगा कल सुवा। लाग कल सुवा। गइ नता य रव त्रिय ड रकाग। द रिव स। अ  
स य र सुवा। तद य गार सु। वि सु द्वा ड क ल वं स सु मा द र वि त्र य। तं ग त्र गं ड  
सं ट द्वा णु णि या। स म णं स ग वं स द्वा वी रं। मा द र कं ड ग र स र ग र।  
जा व ड वि य गं स ति स। ला ए र व त्रि या णि य ग र ड तं पि य गं द्वा गं  
दा ए मा द णि ए डालं ध र स मो त्वा ए। कु त्तिं सि ग ड स द र य। सा द रि त्ता ॥  
स म य यं मा ण त्रि यं वि य ण स व य ड्वा णि णि दि त ए णं स द रि ण ग र स म  
पा य त्ता णि या दि व ड द व स क्के णं दि विं दि णं। द व र न्ना प वं डु त्र स मा ण द ड ड ड व  
दि य य। क र य ल जा व ति क हु ॥ ए वं डं द र वा आ ण व ड ति। आ ण प व ण य गं व य गं

पडिसुण्ड। एवं पडिसुणात्। सकम्पद विंदस्माद वरत्ना अंति आनुतिस्कम  
 इतन्नरपुरत्रिसंदिमीलागं अवकमइ। अवगुत्ता। त्रुत्रियमसुग्यापणं समाद  
 गाइ। त्रुत्रियज्ञागं संविह  
 रयणागं। वडरागं। त्रुक्र।  
 गां। गगगयागं। हंसगया  
 गां। अंङगागं। अंङगापु  
 गां। अंकागं। फलिदागं। रिहागं। अदावायारया गालपरिमाडड परिमाडि  
 ज्ञा। अदासुडुतागालपरियादिवइ। दावंपि त्रुत्रियमसुग्यापणं समा



कांतिदिनेसूर्यलं४५२  
 धोजनानिदेवकानिउ  
 मधेव्रजति।कला४२  
 रगुणीकृतानि२७३५  
 गद्वंभागतिपंक्वगुणे  
 ३३ कलात्रीसचपला  
 णद्वेदद्वेदकला५  
 णानवगणे८५७४०  
 ऽवेगा॥

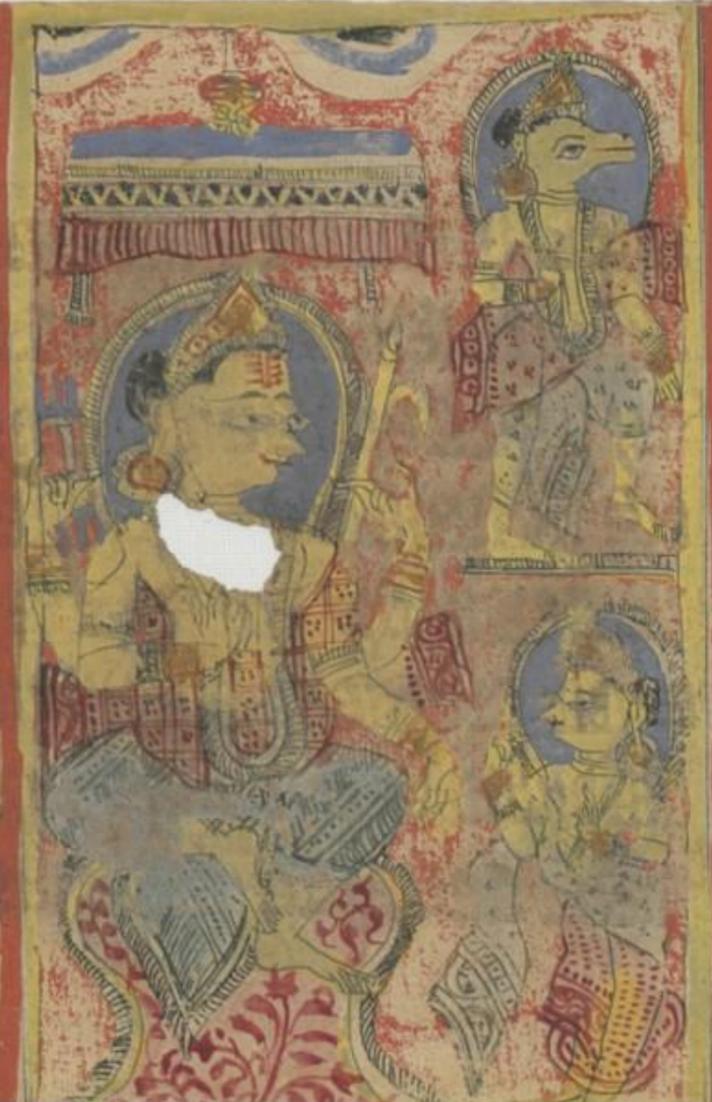
हसगुत्ररावत्रियंहुवंवित्रुवड।त्ररावत्रियंहुवंवित्रुवडा।तापुकिडाप  
 उरियाप।ववलाप।वडाप।ऊयणाप।उहुयाप।सिग्याप।दित्राप।दवगईप।वीईव  
 इमाणा।वीईइतिरियंसं  
 इगावडं।वुडीवडीव।  
 दुगासतगर।इगावउ।  
 णदामाहणी।तगावउवा।  
 णस्मजगवउमहावीरसंयणासंकारइ।णसंकरिना।दवाणंदापमाहणीपंअ।  
 प्रिडगापउसावणिंदतइइज्ञा।असु।सु।पुमाल।अवदरइ।अवदरिनासु।

सारवद्याणं दीवसुद्वारांमद्यंमाद्यणं॥  
 इगावसारदवास।इगावसमाहगाकं  
 मरदत्रेसमाहगासगिह।इगावदवा  
 गहड।तगावउवागविना।आलाणसम

१३

१४

एषा गालपरिकरः सुलभः अणुजागता मलगावं  
 तिक्रुः समानं नगवं महावीरं दिव्यां पलायगां क  
 रयलसंशुद्धां गिराहः स समानं नगवं  
 गिरिद्विजाः इजागारं रवहि रुकुंडगा  
 सनगराः इजागारं मिद्वर संग्रहिय  
 समगाहः इजागारं तिसला रवत्रियाणी  
 एतानां वनवागचुडः एतानां वनवागचिजाः तिसला  
 परवत्रियाणी एतपरियगा एतस्मात्किंदलदुपुत्र

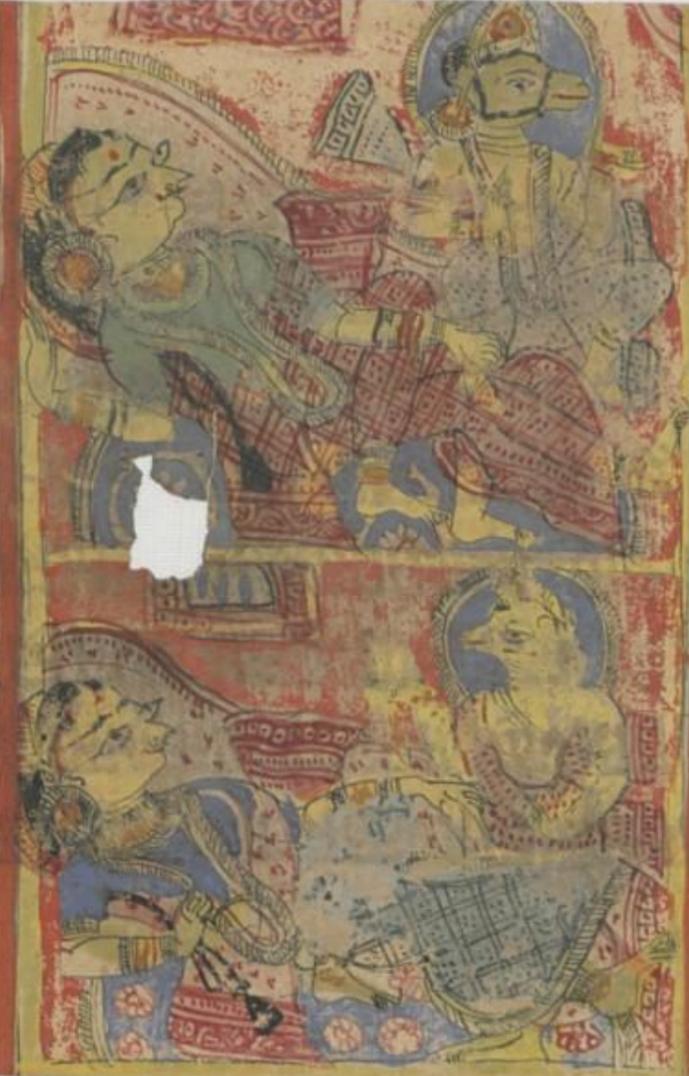


असुदापागाल अवहरइ अवग असुलपत्रा सुलपुगालपरिकवइ सुलप  
 त्ना समणंनगवंमहावीरं अद्यावाहं अद्यावाहगांतिमलाएखत्रियाणीक  
 त्रिसिगप्रज्ञापसाहरइर  
 तंपियगांरवागांदा  
 हरिनाजासवदिशिपाव  
 याप चवलाप कयणाप  
 रियसंरिवज्ञाणं दीवसमुद्दाणं मद्यं मद्यगां जायणसाहस्मिपद्विगापदिं  
 नययमाणराजणासिवसाहस्मकण्णसाहस्मवडिं सएविमाणसकंसिमीह

दासगं सि। साकदविंदादवराया। तणासवनवागचइयत्रा सकस्मादविंदस्म  
 दवरनापयमाणत्रियंसिगघासवपव्यिणइ ॥ तणंकालाणंतणंससपणंससप  
 णानगवंसदावीराडास वासाणंतस्समास पंचसपरकआसाय  
 वडुल। तस्साणं। आसा। यवडुलस्सातर पाकणंवासीइराइर  
 दिपदिंविइकातदिं। तमी दुस्सराइंदिथस अंतरावहमाणास्म हि  
 यायुकंपपणं। देवाणंद शिणागंसिणासकवयणसंदिहणं साह  
 दणकुंडगासानंतगरावंतससदहस्समादणस्साकाडालस्सागात्रस्स सारिया  
 पादवाणदाणसादणीप जालंधरसागात्राप कुचीवस्वत्रियकुंडगासानगर



नाद्यागं रवत्रियागं । सिद्धवस्म रवत्रियस्म । कामवह  
गात्रस्म नारियागं तिसलाए रवत्रियाणीय । वासिद्ध  
स्मगात्राप । पुवरत्रावस्त । कालसम  
गंमि । दकत्ररादिंतरकह । त्रिणांजा  
गमुवागणं । अद्यावादे । अद्यावादे  
गं । कुचिसिमाहरिप । स । माणाजग  
वंसदावीर । तिसाणावगपयाविदावा ॥ साहरि  
जिसामिद्विजाणइ । साहरिऊ माणाताजाणइ



२६

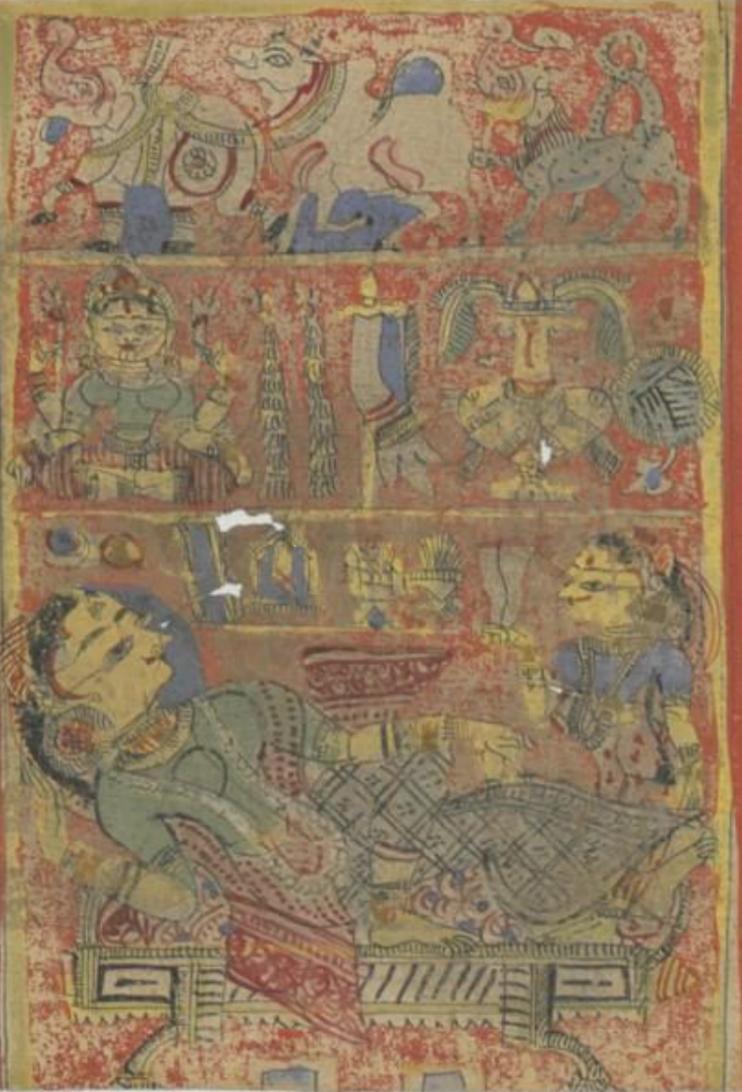
साहसिपुमिहिकाण्डाङ्कुरयणिं चणं समणान् गवं महावीरदवाणं दणसाहणीप  
 कञ्चीनरुत्रियकुंडुमासणगारतायाणं रवत्रियाणं सिद्धवस्त्रवत्रियस्मकासव  
 गाञ्जस्मसारियाणं तिसलाए रवत्रियाणीणं वासिहसवात्राय कृत्तिमिग  
 ब्रह्माणसाहसिपुतंरयणिं च जागरुतहीरमाणीपुडसप  
 मस्मिरीप। साहसमहासु गंसाहवाणं दसाहणीसयणियं सिधुत्र  
 यादुखनरालकलाणासिखधामनंगला  
 सिणातिसलाए रवत्रियाणीणं दडयासि  
 ज्ञाणंपुत्रिबुद्धा॥ **तंजना॥ गयवमहागाहा॥** अंरयणिं चणं समणान् गवं महा  
 वीर। दवाणं दणसाहणीपडालंधरसगात्राय कञ्चीनतिसलाए रवत्रियाणीप।



वासिहगात्राणकृत्विंसिगप्रज्ञाणसाहरिण। तंरयणिंठणंसातिमलादवी तंसिता  
 रिमगंसिवासरंसिअधिंतरनमधित्तकात्तवाहिरनइमियमहमह विविन्नव  
 ल्नायधित्तितल। मणिर  
 द्वमिसाग। पंचवन्नसरसह  
 गमपवरकंडुरुकुरु  
 वरगधिप। गंधवद्विचय। तं  
 वद्विप। नननविजायणा। नननननप। मरुणायगंती। गंगाचुलियावाबुनदालसाति  
 मप। नयवियारवामियदुगुल्लपट्टिचिन्न। सुविरदुययत्ताणा रत्नसुयसंबुपु

यणापणासियंधयार वडुसससुविलन्न  
 सुरसिमुक्कपुष्पासुंजावयारकलिप काला  
 कधुवसयसयंतगंधुदुयातिरास सुगंध  
 सितारिसगंसिमयणिज्जंसिमातिगा  
 मरुणायगंती गंगाचुलियावाबुनदालसाति

राम आर्षागुरुयत्नरावणीयत्नलफाम  
 सुगंधवरकुसुमत्रुमसराणावयारकलिय  
 पुत्ररत्नवरत्नकालमसयं सिसुत्र  
 जागरानुहीरमाणीपशम पयाडु  
 खनुगालकावाचाहसम दासु  
 मिणापामित्राणांपडिबुद्धा ॥तंज  
 दा ॥ गयवसदगादा ॥ तपणांसातिमला ॥  
 रघुत्रियाणी ॥ तपटमयाप ॥ ॥ प्रथमं डंनपया ॥



**॥५५॥ तनुयवनहंत** मुसियगलियविषुलकुलहर द्धारतिकर रवीरसा  
 गरससंककिरण। दगरयययमहासलपंडुरतरं समागयसङ्कयर सुगंध  
 दाणावासियकालसुलं। **॥५६॥ तनुयवनहंत** मुसियगलियविषुलकुलहर  
 वणंसहंपंडुरंधवलंसयं। **॥५७॥ तनुयवनहंत** मुसियगलियविषुलकुलहर  
 नरबंधं। पसवनिहमङ्कयु  
 णविषुलकुलहरगजित  
 णकयवियंवरकं॥५८॥ **तनुयवनहंत** मुसियगलियविषुलकुलहर  
 समुदनुवदारदिं। सवनाचवदीवयंतं। अतिमिरनयलणाविसयंतकंतसा

ष्टवरायकुंडरं वरणमाणांपिचुड पक्कं  
 । संवतलविमलमत्रिकामं वटपडिपु  
 लियपिंगल विमलमत्रिकामं अकुलघ  
 य। गंलीरवाकृषामं इलंसुलंसधलरक

दंतचारुकरुदं। तणुसुंद सुकुमालालामतिद्वचविं। धिरसुवदसंमालावविय  
 लहसुविलसुंदरंगं। पिचुह॥ घणावहलहउकिहउणप्रतिरुसिंगं दंतसिदंस  
 माणोसाहंतसुहदंतं। वस नं। अमियगुणसंगलसुहं॥ **पुण्य**  
 हारनिकरकीरमागरसमं ककिरणदगरययसहासलपडरा  
 गारं॥ **पुण्य** रमणिएपिचुह गिद्यं धिरलहयज्ञाहंवहपीवरसुसिलह  
 विशिहतिस्कदाहा। विडंवि यमुहं परिकसियउचकसल। कामलप  
 माणोसासंतलहउहं। रण्यलपत्रमउयसुकुमालतालुनिलालियगाडीहं सुसा  
 गयपवरकणातिवियआवनायं तवहतडिविमलसरिसतयणं। विस्मालपीवरवरो  
 ग



कं। एडिपुसा विमलसंघं। निव विमिय सुकु मलरकलप सव विचित्रक मगाडा वसा  
 हियं। क मसिय सुति मिय सुकाय। आयसा डिय लं गुत्। एसा मंसा माकारं। लीलायं  
 तं। नदय लानय वयसाणं ॥ नियग वयण मय वयं तं पिचड। सागा हति।  
 रक तहं। मीहं वयण मिराण लव प्रव वा रुडी हं ॥ ३॥ तं सुसा पुत्रं  
 द वयणा। नवा गय डाल ल ह सं वियं। प्र सव ह वं सुप ड हिय कणा गं क  
 म म रि सा व साण व लणं ॥ अ बु न य पीण र डिय मं स ल उ न य त गु तं व  
 ति ह न हं। क म ल प ला स सु कु माल कर व रणा का म ल व रं गु लिं। क रु विं दा व न वं स  
 व हा पु सु व कं घं। नि गृ ह जा गुं। ग य व र क र म रि म पी व रा रुं। वा मी क र र ड य म ह ह

१७

लाजुतकंतविचित्रासाणिवकं । उच्चंडगालमरुडलर्यपकर<sup>3</sup> ह्युयसमसंहिय  
 तणुयआपयलडदसुकुमालमनयरमणियंरामराडं । नालीमंडलंविमालसुंदरं  
 पसवडधरां । करयलमाडयय सवृतिवलियमयं ताणासणिकणगरयण  
 विमलसदांतवणिद्याहरण धूमणविराडयंगसिंगं द्वारविराडयंगसिंगं ।  
 द्वारविराडयंतकुंडुमालाया रिद्व~~क~~डलडलितधणजुयलविमल  
 कलसं । आडयपत्रियवित्रसि पणयसुनगडाजुडलणमुत्राकलावणं  
 । नरवृदीणारमालियवियविरडयणं । कंठमणिसुत्रपणयकुंडलजुयलुत्रसंतं  
 सावंसत्रासांतसणालाणं । सोलायुणसमुदयणं । आणणकुडुंबिणकमलाम

लविमालरमिणाद्यांलायणं कमलप्रखलंतकरगदियसुकनैयं । लीलावापकयय  
 गङ्गायणं । सुविमयकमिणाधनासाहलंतंतकमहव । एतमहहकमलवासिणिंमि  
 विंनगवडं पिचड । हिमवंताम लसिह्वरदिसागडांदाकपीवरकरानिसिंवा  
 मणिं ॥ **धृक्कलमा** ॥ तत्रपुत्र णांमरसंकुसुमसंदारदासरमणिद्युत्रयं  
**चंपनासांगपनागताग** यणायलंततियपुत्रागतागैयिंयंगुमिरीति  
 मुगारमलियाडाडडदियको लाकाद्याकारिंयत्रदमणयनवसालियव  
 नलतिलयवासंतियपुत्रमुप पाडकंदाइसुत्रमहकारसुरलिगंधि । अणुवम  
 मणाहारगंधाणं । दहदिसावविवालयंतं । सखानयसुरदिक्कुसुमसत्रधवलवि

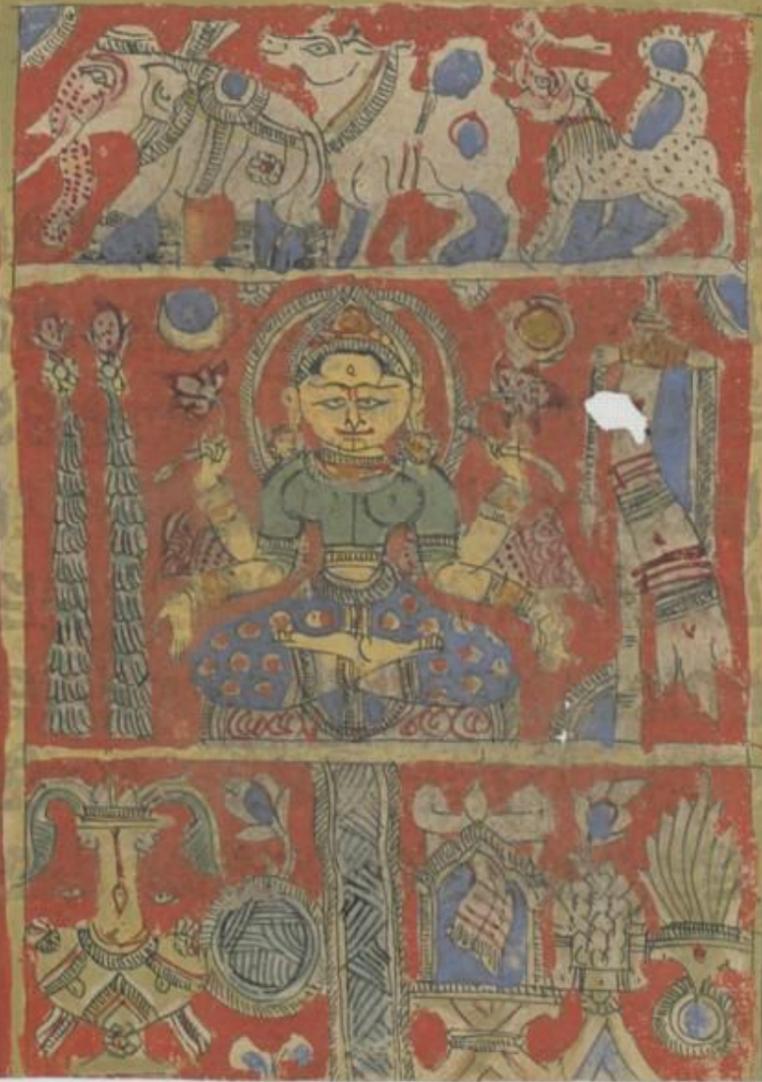
लसंतकंतवडुवन्ननत्रिविचित्रवययमडुअरिनसरगुमयुमायंततिलंतगुडंत  
दससागं। तदंगणयलानुवयंतंदासपिबुड ॥५॥ **गारवीरयणचगरयययक**  
लसंपुत्रं। सुनंदियनयण कंतिपडिपुत्रं। तिमिरतिकरघणगदियर  
वितिमिरकरं। पसाणापरकं कं तशयलदं। कुमुदवणविबाहयं। तिसा  
सासगं। सुपरिमहदयणात लावसं। दंसपडुवन्नं। डाइसमुदसंडगं।  
तसरिपुंसयणसराप्ररां। समुददगप्ररां। दुसाणां। काणंदइयवजि  
यंपायपदिसासयंतं। पुणासासवाकुरुवपिबुड। सागगणगसाणसंडलविसालं  
। सामचंकमसाणतिलगं। रादिणिसाणदिययवलदं। दवीपुत्रवदंसमुलसंतं॥



**॥६॥ तत्रतमपडुलपरिष्कृतं** दं विवातयसापकुलंतदुवं । रज्ञासागपगासंकिं ।  
 सुयसुगमुदं युंजद्वरागसरिसं । कमलवणालंकरां । झाइसस्त्रंकरां अंब  
 रतलपडुवं । हिमपडुलगल गाहं गहगणाकनायां रित्रिविणासां  
 नुदयत्रमणासुमुहुत्रसुदं दंमगां दुन्निरिक्कहुवंरत्रिसुहायंतदुय  
 यारपसदगां । सीयवगसद गां पिच्छइ । सकगिरिसययपरियदियं ।  
 विमालंसुररस्मांसदस्मय लियदित्रसाहं ॥॥ तत्रपुणाकुडक  
 गागलद्विपडुदियं । समुदनी तरत्रपीयसुक्किलसुकुमालं मियामारपिच्छक  
 यमुदयं । अदियमस्मिरीयं । फालियंसंभव । अंककुंदं दंरययकलसंपंडुरां

३३ शानिद्वा दशमाक्षोत्रयोदशोवक्षे माधवावतुर्वशपुनार्त्वा । नजोन नस्यासुश ॥२॥ पंचदशोवत्रापते । षोडशोवतश्राना । कार्तिकाव  
 कादशक । शतान्मवंतपस्पि ॥२॥ मार्गेउदशसार्द्धनिशिताम्बेवफाकु । कुान । पौष एवपरमासि । सदसंकिरणारव ॥३॥

मन्त्राणां श्रीदण्डाय सांगं निचुंगगायत  
 लमंडलैमिवसिपगां पिचुइ। सिवसत्रयमारु  
 यलयादयपकंपसाणं। अति यसागांज  
 गापिचुणिऊरुवं॥ **उत्तनु** गाडव  
 कंचणुजलंतदुवं। निम लडल  
 पुन्नमुत्रमं। दिणसागांसादं कमलक  
 लावय रिगयसागां पडिपुंयसवसंगललय  
 समागमं। एवरयगायरायंतकमलहियं नय



२२  
 ३५

एतन्महाकराणं पलासमाणं सवत्साचवदीवयंतं स्मामलहीतिलताणं सव  
 पावपरिवर्जितं सुसंज्ञासुरं सिरिवरं सवत्साचवदीवयंतं स्मामलहीतिलताणं सव  
 सुदुःसाययपुत्रकलसं ॥ ॥ ॥ पुणरविकिरणतरुणबोदित्यसदसपत्न  
 सुरलितरपिंडरकलेज लवरपदकपरिहृतासवपरिचुक्रमाणा  
 कलसंचयंसदंतंकलंतं सिवकमलकवलरुजयलतासरसंपुंडरी  
 नुकसण्यंसिरिसुदपदिं रमणिद्युवसानं एमुदयंतनसरता सव  
 सङ्गरिगणुकारालिद्युमाणाकमलं ॥ ॥ ॥ कायंबगवलादयवक्ककलदंस सा  
 रस गवियंसनुणागणभिङ्गासविज्ञाणासलितं एतंसिणिपत्तावलगाङ्क

मारा

लविंदुनिवयविहंघ्रिचंद्र। साद्विययतयणाकंतंपनुससरंसासुरं। सररुहा  
 शिरामं॥१०॥ तनुपुणावंदकिरणरासिसरिसमिखिचुआसाहं। वनुगमणएवद्व  
 माणडालसंवरं। ववलचंघ  
 प्रदुपवणादयवलिग्रवल  
 सं। निमलउकडउमीसद  
 सं। महासगरमच्चसिसिसिं  
 एफणाएसरं। महातईत्रियखगमातयसम। गंगावत्रयुफमाणुचलंतपद्योतियत्र  
 नमसाणालालसलिलंघिचंद्र। सास्कीरायंसागरंसारययणिकरंसासुरय।



णा॥१॥**तनुषुणा** तुरुणसुरमंडलसमयने।दिव्यमाणासाने।उत्तमकंठणामदा  
 मणिमसुहृदपवरातयश्रुहसंस्मदियांतननपईवं।कणागपयरतंठमाणसुत्रास  
 मुक्तलं।कलंतदिव्यदामंड  
 किंनररुरुसरनचसरसंस  
 गंधावावृषमाणसंपुत्राद्या  
 द्वियमहागुणाडगा।रठव  
 लायंपप्रयंतं।कालागुरुवरकेंदुरुकुरुकडद्यंतधुवसारउत्तममयसा।  
 घंतगंधुहुयालिरासं।निच्चात्तायेसयासयणनंसुरवरासिरासंपिच्चड सासानुव

प



रिमंभुलइयंगी। एपवउदसंभुमिणापासइतिव्यरसाया। इंरयणिंउवकसइ  
 क्विमिमहायानाअरहा॥ तएणंसातिसलाखत्रियाणी। इमयाइवउराल  
 खादसमदासुमिणापाह  
 यया। धरगदयकयंबु  
 गांहंकारइ। सुमिणागा  
 त्ना॥ प्रायपीठानपञ्चारुं॥  
 मसंलंताए। अदिलंबियाए। गयदंसमरिसीपगईण। डारणावसयणिछ। डारणाव  
 सिहत्तरवत्रिए। तारणावउवागचइ। तारणावउयत्ता। सिहत्तरवत्रियं। तादिंडवादि

३३

२४

कंतादिं पियादिं मणुसादिं मणामादिं मणानिरामादिं नरालादिं कल्लाणा  
 दिं सिवादिं धसादिं संगलादिं सस्मिरीयादिं द्विययगमणिज्ञादिं द्वियय  
 द्यायणिज्ञादिं मियमहु रसंजलादिं गिरादिं संलवसाणीशपडिस  
 वादह् तपणंसातिसह लारवत्रियाणीसिद्धाज्ञांरना अप्रणुसा  
 यामसाणी एणामगिरा यणसत्रिचिन्नसि नद्दासणंसितिमीयइ  
 तिसीइत्ता आसत्ता वीस वासुदासणवरगया सिद्धंस्वत्रियं ता  
 दिंइष्टादिं जावसंलवसाणीश एवंवयासी एवंस्वत्तुअहंसीमीअद्यंसितंसि  
 तारिसगंसिसयणधंसि वसतजावपडिबुहा ॥ **तं प ग य ग म** तं प प सिंसासीनरा





नरलागां त्रामादवाप्ये सुमिणादिहा कला  
 णागां त्रामादवाप्ये सुमिणादिहा एवंसिवा  
 धसा मंगलासस्मिरीया आराग  
 बुद्धिदीनानकलाणाया वापुष्प  
 मंगलकारगागां त्रामाद लादव  
 पसुमिणादिहा अत्रला  
 गुप्ये लागलालादवाप्ये पुत्रलाला  
 दवापुपसुकलालादवापुं कलालादवा



लादवा। एवं च कुत्रुमंदवाणुयिप। तव गहं सासाणं बडुपडिपुसाणं अहहमा  
 गाशंडियाणं विडकं ताणं अमूं कलकने। अमूं कलादने अमूं कदीवं कलप  
 वयं। कलवडिंसयं। क। लतिलयं। कलकितिकरं। कलदियायं  
 कलआधरं। कलतंदि करं। कलकसकरं। कलपायवं कलविव  
 द्वाकरं। सुकसालयाणि पायं। अदीणं सुस्पंठिदियमरीरं ल  
 रकणवं कणागुणावलयं। माणुसाणं पसाणं पडिपुसुजायं सवंग  
 सुंदरं गं। मसिमोसाकारं। कंतं पियं सुदंसाणं दारयं पयाहिमि। सवियं। सदार  
 प। नसुकवालसाव। विसायपरिणायतत्र। जावणगसणुयत्र। सारवीर। विड

कंता विचिस्व विरल बल वा दणा रय व डी रा यान विस्मडा ॥ **॥** नुला गं वा स ड्रा  
 वा द्य वे पि त वं पि अ गु वृ ह ड ॥ त प गं सा ति स ला र व द्वि याणी सि ह वृ स्म र ना अं ति प  
 प य म डं सा वा नि स म ह ड उ हा डार द्वि य या क र य ल प रि ग द्वि यं द स त  
 हं स व प अं ड लिं क हु ॥ प वं व या सी ॥ ए व स यं सा सी अ वि त द्वा स यं  
 सा सी अ सं दि द्वा स यं सा सी ॥ इ च्चि यं स यं सा सी प डि च्चि यं स यं सा सी  
 इ च्चि यं प डि च्चि यं स यं सा सी इ च्चि यं प डि च्चि यं स यं सा सी स वृ णं प म स ह  
 स ड्वा द सं वृ ष व य द्वा नि क हु ॥ त सु मि णा म सं प डि च्चि यं सा सि ह वृ णं र सा अ  
 प्र गु ना या म साणी ना णा म णि र य ण न द्वि वि ना व र द्वा स णा व अ पु ह ड अ पु र ॥

अत्रियं सर्वलं अमंताप अत्रिलं वियाण रायदं समरिमीपगईण ज्ञाणावस  
 एसयगिाष्टातशावउवागबुइप्रत्ता एवंवयासी सासउन्नसापदाणासंगलासु  
 सिणा अत्रिदिंशवसुमिणा दिं एडिदंमिसंति कहु देवययुऊडायाह  
 संवदादिं एमत्तादिं संग लादिं धमियादिं लडादिंकदादिं सुमि  
 णाजागरियं जागरमाणी एडिजागरमाणीविहरइ तयगांसिद्वच्च  
 रवतिगपचुसकालससयंसि काडुवियपुरिसमहावइ काडुवियपुरि  
 समप्रत्ता एवंवयासी शिवासावोलादेवाणुयिया अष्टसविससंबादिरयंउवदा  
 णासातंगीअदयसिन्नसुइसंमधियातावतिन्न सुगंधवरयं चवसपुष्यावयारकलि

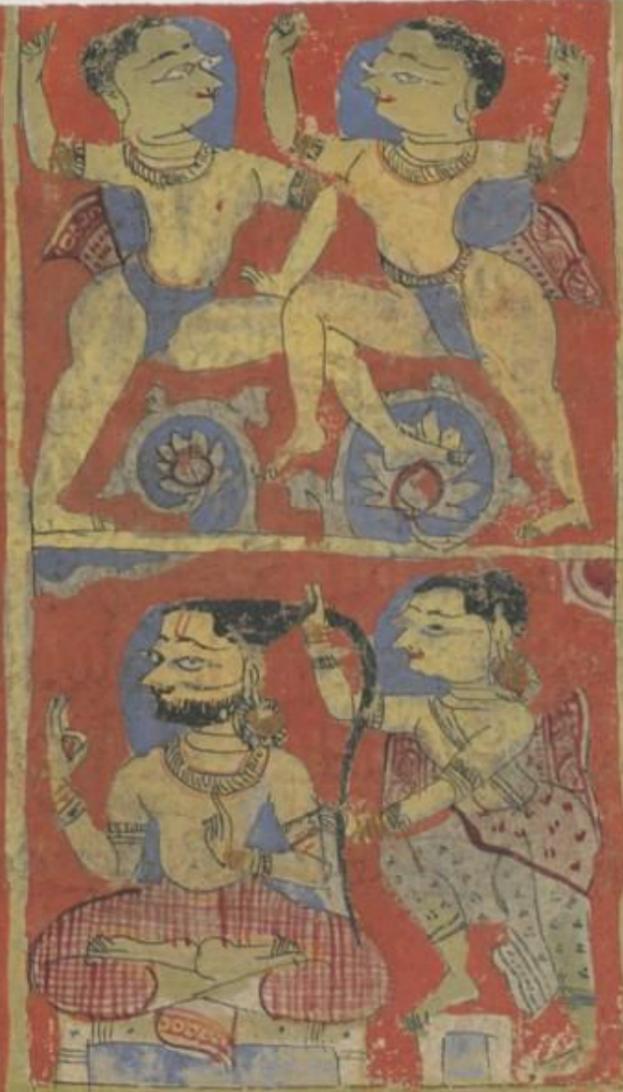
यं कालायु रूपवरं कुंडु रुक्म रुक्म डं तधु वसध मयंतं गंधु दुया निरा संसु  
 गंधवर गंधियं गंधवद्विभुयं कारयद कारवयद कारत्राय कारवयत्राय  
 सीहासागरया वदगममे यं माणत्रियं यत्र पिण्डाद तपणां ताका  
 दुविययु रिमा मिहात्राणां रना एव बुत्रा समाणादहा जावदिय  
 या करयल जावकहु एव सा मित्रि आणा एविया एणं वयणं  
 एडिसुगंति एवंगना सि वत्र स्मरव त्रियस्म अंतिया न एडितिरक  
 मंति एडिपना जाणा ववा द्विरिया नवहाण साला तणा व उवाग वंति उवागण  
 त्रा श्विया सवस विमसं वा द्विरिया नवहाण साला गंधद गं मित्र सु विजाव सं



हांमणोरयाविति॥पुत्राडिणावसिद्वत्तुवत्रिण॥तणवउवागञ्चंतिप्रकरयलेप  
 रिगादियंदमतहंमिरमावत्रंमत्रपञ्जलिकहु॥सिद्वत्तुस्मरुत्रियस्मतता  
 णत्रियंयत्रियंति॥तप  
 परयाणीप॥कुत्रुयलका  
 जापरत्रासागयागामकिं  
 वयवलागतयगापरहुय  
 गुलनियरातिरयसादंतमरिस॥कमलाकरमंडावाहपउदियंसिस्तरसद  
 स्मरस्मिंसिदिगायरातयसाडलांततस्मयकरयदरापरहुमिअंधयाएवाला

३६

यत्र कुंकुमांगारवचिद्यवडीवालापसयणिज्ञा  
 नुअशुहडाअगुत्तापायपीदानपवाकुरुदइगडाणे  
 वअदृणसालातणावउ वागबइगुत्ता  
 अदृणसालंअगुपविस ६। अदृणसा  
 लंअगुपविसिज्ञाअणा गवायामजो  
 गवगणावामदृणमल्ल। बुदकरणा।  
 द्विसंतपरिसंत। सयपागमदस्मपागदिं। सुगंध  
 तिल्लमाइपदिं। पीणगिाऊदिं। विंदणाज्ञदिं। दीव



29

१३

गिज्ञादिं मयगिज्ञादिं दयगिज्ञादिं मच्चिंदियगायपलाइगिज्ञादिं  
 अश्रंगिण ममाणतिल्लवमंसिपडिपुनपागिपायसुकुमालतालदिं सुरि  
 सदिं अश्रंगणपरिम दगुवलणकरणगुणनिमापदिं त्वदिं  
 दारकदिं कुमालदिं पत्राहदिं मधवीदिं डियपरिमामदिं  
 अडिसुहाण मंससुहा पतयासुहाण रामसुहाण वउधिहाण  
 सुहपरिकसणणमंवा दणणपसंवादिण ममाण अवगयपरिम  
 म्माम अटणसालानपडितिरिकमड अटणशत्रा डणणवमंज्ञणघराताणव  
 नवागवडुमंज्ञणघरं अणुपरिमडुमसुल्लजालकलावाहिरामविवित्तमणि

रथणकुट्टिसतलरमणिज्ञा। एदाणमंडवंसि। एणणमणिरयणमविचित्रंमि।  
 एदाणपीठंसि। एदाणपीठंसि। सुदतिमात्र। पुष्पादपदिं। गंधदपदिं। नुणदादप  
 हिय। सुदादपदिय। सु ● ह्यादपदियकलाणकरणएवरसद्यण  
 विदीप। मद्यिप। तत्राका ● नयसपदिं। वडुविददिं। कलाणगएवर  
 मद्यणावसणा। एमूल। सुकुमालगंधकासादयवुदियंग। अद  
 यसुमदयडमरयणसु ● संबुण। मरमसुरनिगोमीसवंदणाणुह  
 लिन्नगत्त। सुडमालावसगविलवणा। आविदुमणिसुवाम्। कणियद्वारद्व  
 द्वारतिमरयपालंबयलंबमाणकडिसुत्तसुकयसाम्। पिणह गोवद्य अं।

युलियगललियकयाजराणा वरकडगात्रुडि  
 यधंनियत्रुप अदियरुवसस्मिरीप कुंड  
 लनद्यातियाणाणा मत्रु दुदित्र  
 मिरप द्वाारात्रयसुकय रडयव  
 ल्ब सुदियापिंगुलंगुली पणालं  
 वपलंबसागासुकयपड नुत्ररिष्टे  
 नाणासणिकागोरयाण विमलमदरिदतिव  
 णावियमिसिंतविरडयसुमितिह विमिह



BIBLIOTHÈQUE NATIONALE  
 R.F.  
 1855

लह आ वि द्वी र व ल प । किं ब द्वा गा क य र क य वि व । अ लं कि य त्वा सि ए त रिं स  
 दि म् कारं ट म ल द्वा म गं व ल्प णं । ध रि च्छ मा णा णं । स य व र वा म ग दिं उ द्बु व मा ह  
 णी दिं । मं ग ल ड य स द्द क । य आ ल ए । अ णा ग ग णा णा य ग दं डु णा य ग रा  
 ई स र । त ल व र । मा डु वि य । क्का डुं वि य मं ति म द्वा मं ति ग णा ग । दि वा रि  
 य । अ म च्छ । ख डु पी ह म द्द । न ग र ति ग म । स ठि स णा व ड । म च्छ वा द्द । स  
 डु य । अं धि णा ल । स दिं मं । प रि वृ ड । ध व ल म द्वा म द्द ति ग डु ए डु व ग ।  
 द्द ग णा दि यं त रि र क्क ता ग णा ण म द्द । स मिं थि य टं सा ण । त र व ड् । त रिं ट त र व स  
 ल । त र सी द्द । अ ष्ठ दि य रा य त य ल डी पं दि य मा ण । म द्द ग ण ध र ग च्छ डि नि र क्क



मः मद्यगश्ना । ज्ञानाववाहिरियाववहाणामालातगावववागवुडुववापुत्रा  
 सीहासगांसिपुरुत्रासिपुहतिमीयइतिपुत्रा । अणणाववुरपुरत्रिसदिमीह  
 नाग । अहलहासागाडं । मयववुपवुकयाडं । सिहवुयकयाकास  
 यंसंगलावयाराडंरया । खड । रयापुत्रा । अणणाअडुरसासातगा  
 णामणिरयणसंडियं ॥ अदियणवुणिखं । मटयव रपहणुगायं ।  
 साहपहनत्रिसयवित्त । ताणं । इहासिय । उमरुवुरयतरसगरवि  
 द्दगवालगाकिंनर । रुकसरन । वसरकंकरवणायपुनसलएनत्रिवित्तं । अश्विं  
 तरयंकरणियंअंवावत्रिपुत्रा । णाणासणिरयणनत्रिवित्तं । अचुरयंसिनससु र

सा चयं सयवत्रपत्रयं समुत्रयं अंगसुदफरिसं विमिहंति सला एरव  
 त्रियाणीप महासणरयावतिशना काडुं बियपुरिससहावइय एवंवया  
 सी ॥ शिव्या सवलादवा पुषिया अहंगमहा तिसिन्न सुत्रुपार  
 ष विविदसत्रुसाल ॥ सुविणालरकणायुपासहावइद त  
 एणां तकाडुं बियपुरिस सा सिद्धाणं रनाएवं बुना समाणाद  
 हाजावदियया करय लजावपडिसुणंति पडिसुणिना सिद्ध  
 च्चस्मरवत्रियस्म अंतियात्रपडितिरक संतिशना कुंडमा संतगरं सद्यसद्यगां  
 डगाव सुविणालरकणायुपासहाडं । तणावत्रवागुं तिरणावत्रवाग



वडां

चिन्ता सुविणलरकणापाठमहावंति । तपणं सुविणलरकणापाठमसिद्ध  
 च्चस्मरवत्रियस्माकाडुं विरुपुशिसदिं महाविद्यासमाणाहहपुहा । जावदियया  
 एदायाकरवलिकमा । कयकात्रयमगतपायचिन्तासुदय्यावे  
 साडुं संगलाडुं पवरायं ॥ परिदिया अममहम्यालरणा लंकिय  
 मरीग । सिद्धचयदरिया लियाकरमंगलुहाणा सपदिंशयस  
 द्दिहंतातिगच्चंतिपत्ता ॥ रवत्रियकुंड्यासंतगरं महुं मद्यगांज  
 गावसिद्धचस्मरनालवगावरवदिंसगपडिदुकार । तगांवववागच्चंतिश  
 न्ना । सवगावरवदिंसगपडिदुकारपगयनमित्तियजगाववादिशियास

हृत्तजगवतेरुष  
नावयनत्रास्त्रायामा  
वेद॥ उंरुषलंपवित्रं  
नमध्वरंजयेशुनप्रपर  
श्रुतावरं।रुंजयंतं  
माकुरतिश्चादा॥ उं  
धीरं दिव्याससंब्रसग  
तनंउपेसवीरंपुरुष  
तमादिमवसंतमसः  
दितिश्चादा॥ उंश्चस्त्रि  
द्वश्चवाश्चस्त्रिनःपू  
याश्चस्त्रिनःताजोरिष्ट  
श्चादा॥

उवहाणमाला।डाणावमिद्वचस्त्रिप।त  
णावउवागच्चंति।करयलपरिगादियंजाव  
कहु॥मिद्वचस्त्रियंज  
उपणंवद्वविंति।तपणं।  
मिगालरकणापाढगासि  
णरनावंटियष्टयस  
यसंकारिय।समाणिया।समाणा।पत्तयं  
पुवत्रस्त्रसु।सहासाणसुतिशीयंति।तप



गंमसिद्धत्वरवत्रिपतिमतिंरवत्रियाणिंकुवणिचंरिचंतावइवावित्रा  
 पुष्कफलपडिपुनद्वारगंविणायगंतसुविणालरकाणपादरा एवंवया  
 श्री॥ एवंरवत्रुदवाणुणि याअकृतिमलाखत्रियाणीतंसिगारि  
 मगंमिडावडागरात हीरमाणीपडासपयाडुवनरालावाह  
 समद्वसुमिणायासिन्ना गंपडिबुद्धा॥तंऊदा॥ गयनसदगाद  
 ॥ततसिंवाहसगदंसह दासुमिणागंटावाणुणियातुरालाणंके  
 मसकलाणाफलवित्रिविआससविस्मइ॥तणगंतसुमिणालरकाणपाद  
 गसिद्धत्वरवत्रियसअंतिणयसहंसमात्रानिससददुहाडावदिय

ॐ ॐ

यात्सुमिणात्रगिणदंतिगडदंयविमंतिगुअसमसाणंसद्विसंलावंतिग  
 तसिंसुमिणाणंलद्वहागदियहासुत्रियहाविणित्रियहाअसिगयडा  
 सिद्वत्रस्वराज्ञापुरवसु  
 त्रियं॥एवंवयासी॥एवं  
 वायालीसंसुमिणाती  
 दिहातत्रुणंदेवाण्य  
 यारावाअरदंतसिवा॥धणवक्रदरंसिवागशंरक्रमसाणंसिवाएपसिंती  
 साएसदासुमिणाणंइसवत्रदसमदासुमिणायासिजाणंपडिबुझंति॥तंजदा



वासुदेवमायाया वासादेवंसिगश्वं वक्रमसागं सिपपसिंवाहसदं सदा  
 सुमिणागं अमयारमन्नमदासुमिणायासिन्नागं पडिबुद्धंति बलादेवमाय  
 रावा बलादेवंसिगश्वं वक्रमसागं सिपपसिंवाहसदं सदासु  
 सिणागं अन्नयारवन्ना रि सुमिणायासिन्नागं पडिबुद्धंति मंडलि  
 यमायाया वासुदेवसुमिणायासिन्नागं अन्नय सिगश्वं वक्रमसागं पपसिंवाहसदं  
 सदासुमिणागं अन्नय रपगंसुमिणायासिन्नागं पडिबुद्धंति ॥ ५ ॥  
 मयगं देवाण्युपिया तिसलापरव त्रियाणी पावाहसमदासुमिणादिहा ॥ तं ॥ न  
 मलागं देवाण्युपिया तिसलापरव त्रियाणी पसुमिणादिहा ॥ जावसंगत्त्रकारगा

गां।दवाणुपियातिमलापरवत्रियाणीपसुमिणादिह्यातंअबलालादवाणु	
पिया।लागलालादवाणुपिया।पुत्रलालादवा।सुरकलालादाइलाला	
दा।पवंखलादवाणुपि	या।तिमलाखत्रियाणी।नवण्डमासाणं
वडुपडिपुसाणं।अद्व	दमाणराइदियाणं।विइकंताणं।वुअं
कुलकनं।कुलदीवं।	कुलपत्रयं।कुलवडिमं।कुलतिलकं
कुलकिलिकरं।कुलनं	दिकरं।कुलकमकरं।कुलआधरं।कु
लपायवं।कुलविवहणकरं।सुकमालयाणिपायं।अदीणपडिपुसायं।चंदिय	
सरीरं।लरक्षणावं।कुणशुणावाचयं।साणुसाणपसाणपडिपुत्रं।सुडायसवंग।	

सुंदरं गं। मसिगामाकारं कंतं पियं दं मगं। सुहृवं दारयं पयादिडा। मविद्यं गं द  
 रणं मुकं बालना व विस्माय परिणामात्। डावणगसपुयात्। द्वाग। वी। वि।  
 इ। कंतं। विचित्रं बलवा  
 । डि। ए। वा। ति। ला। ग। या।  
 वा। पु। णि। या। ति। स। ला। प। र्व  
 बु। डि। टी। दा। वं। सं। ग। ल। कार  
 णि। प। सु। मि। णा। दि। हा। त। प। गं। म। सि। ह। र। या। त। सिं। सु। मि। ण। ल। र। क। ण। पा। ट। ग। गं। अं  
 ति। ए। प। य। म। डं। सा। द्वा। ति। स। म। दं। वु। हे। डा। व। दि। य। ण। क। र। य। ल। डा। व। त। सु। मि। ण। ल।

द्वाग। च। अ। नं। तं। वं। कं। वं। ही। रा। या। नं। वि। स्म। ड  
 य। म। धं। मं। वं। रं। वं। कं। वं। ही। तं। नं। रा। ला। गं। रं। द  
 त्रि। या। गी। प। सु। मि। णा। दि। हा। डा। वं। आ। रा। ग  
 गा। गं। दं। वा। पु। णि। या। ति। स। ला। प। र्वं। त्रि। या।

रकणपादाग॥ एवं वयासी॥ एवमसंयं दवापु यिया॥ तद्वसंयं दवा॥ अवि तद्वसा	
संदा॥ पा इ चियसंयं दवा॥ पडि चियसंयं दवा॥ पडि चियसंयं दवा॥ पडि चियसंयं दवा॥ पडि चियसंयं दवा॥	
माहा॥ सडा हयं वृष्वय	दत्तिकहु॥ तसुमिणाससंपडिचि॥ त
पुत्रा॥ सुमिणातरकणापा	दपवित्रलणं सुकववगंधं मलालंकार
गां॥ सकारइ॥ समाराण	इपुत्रा॥ वित्रलंकी विद्यारिदं॥ पीइदाणंद
लयइ॥ वित्रलं पुत्रा॥ पडि	विमाद्यइ॥ तपणं॥ ससिद्वत्तवत्रिपासी
दासणा॥ अशुहइ॥ दाणावंति॥ सला॥ वत्रियाणी॥ इवगियं॥ तरिया॥ तरणा	
वउवाग॥ चंति॥ सणा॥ वउवाग॥ चिन्ना॥ तिसलं॥ वत्रियाणिं॥ एवं वयासी॥ एवं	



गवत्रुदवागुणिसुमिणामहंमिवायालीसंसुविगाण्डावयगंसहासुमिणं  
 सुमिणांमिसिनाणंपडिबुद्धंति।डासयणंउसादवागुणिसाहादसहासु  
 णादिहा।तंनरताणंउ  
 उवकवही।तणंसाति  
 वहिययाकरयलंकाव  
 चिना।सिद्धाणंरनाअ  
 चिनावसहासणान।असुहइ।अरना।अवुरियं।अववलां।असंलंताण।अविलं  
 विद्याण।गयहंसमरिसीपगडीया।डाणावसपुनवणा।तणावववागवडा।पसयं

सडावडिणातिलाकणायप।धमव।  
 मलाययमहंसावातिसमहहवुडडा  
 तसुमिणामसंपडिबुद्धंति।तससंसंपडि  
 श्रणुसायासमाणीसाणासणि।रयणसति

३६

सवर्णां अणुपविहा। ऊय सिद्धं चणं। समणनगवं महावीर तंगथ कुलं सा हरि  
 पातयं सिद्धं चणं। बहव्यव समण कुंड धरिणातिरियं नगा देवा सकवयणा गां।  
 सडाइं इ साइं पुराया राणा इं। महातिहाति द्याणा इं नवंति। तं डहा। प  
 दीणा सामियाइं। पदीणा स कथाइं। पदीणा गात्रां गाराइं। उच्चनमा।  
 मियाइं उच्चन स कथाइं। उच्चनगात्रा गाराइं। गामागर नगर रव ड  
 कबुडु संड वदाणा सुहपद गां सव संवाह संति। वाम सु सिंघा ड प सुवा  
 तिप सुवा। वन सुवा। वन सुवा। वन सुवा। महापाद सुवा। गामाणा सुवा  
 नगराणा सुवा। गामनिह मणा सुवा। नगर तिह मणा सुवा। आवणा सुवा। टव



ऊलसुवा। सनासुवा। पवासुवा। आगमसुवा। उक्ताणसुवा। सुसाणसुसागार  
 गिरिकंदरसंति। सलावहागगिहसुवा। सत्रिस्त्रिज्ञाइंधिहंति। ताइंसिहठराइं  
 नवणंसिमाहंति। तपणं  
 नणं। अयमयाइवा। अय  
 वा। ऊणनिइं वणं। अयुं  
 निइं वणं। अयुहिरणणं  
 गं। शज्ञणं। शहणं। बालणं। वाहणणं। कास्मणं। काडागारणं। चुरणं। अंतवरे  
 णं। जणवणं वहासा। विपुलधणकागारयणमणिसात्रिया। संखसिलयवा

समणस्मरगवउमहावीरस्मअसायि  
 त्रिणंतिण। मणगणमंकरणमसुणधि  
 सदारण। कुडिगसत्राण। वकंत। तय  
 वहासा। सुवासाणं वहासा। धणणं। धास्

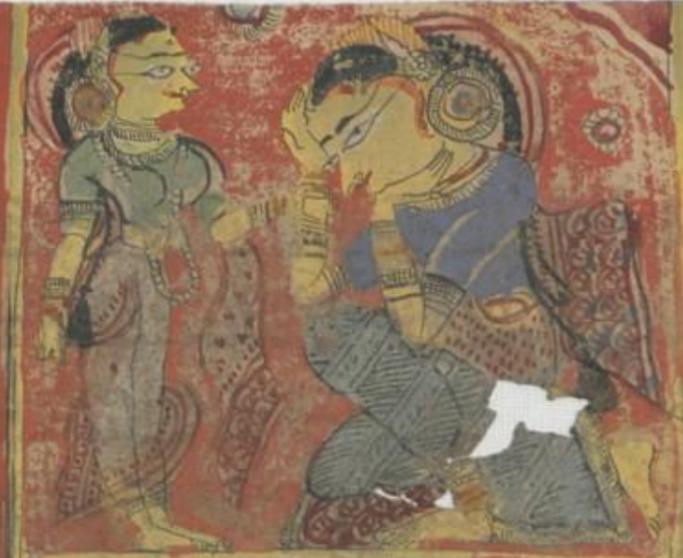
लरत्रयणमाशरणं। संतसारसावतिहृणं। पीडमकारणं अर्द्धव अदिव  
 हामा। तं कथाणं अष्टं पसदारपजापनविस्मइ। तथाणं अष्टपयस्मदारगस्मपय  
 णुष्टवंगासंयुणतियसंता  
 मणानगवंसदावीरमानुस  
 रयणा। अक्षीणपक्षीणयु  
 रवत्रियाणीपअयसयाहु  
 डामसगस्रा। बुपमसगस्रा। गतिपमसगस्रा। बुद्विपयइ। इयाणिंसापयत्रि  
 कहुनदयसगसंकयाविंतासागसायरसंपविहाकरयलयद्वृत्सुदी। अह

माध्यंकरिस्मासा। बहुसाणात्रितरणंम  
 अणुकंयणहाणनिबलतियसंदाति  
 त्रियाविहात्रातणंतीस्रतिसलाप  
 विजावममुयाद्यवाहडामर।

39 30

त्रमंसिमासेगज्ञणा

द्याणावगया। वृमीगयदिहियाद्वियाइ। तंपि  
यसिद्वत्रगयप्रवणंवरयमुडंगतंतरीतलता  
लताडइयङ्गामणुङ्गा। दीणादि  
मणंविद्वरइ। तणंममह। णालग  
वंसदावीर। साकणपयाम। यरुवं  
। अद्यत्रियंपत्रियंसणाम। यंसक  
यंसमुणत्रंविजाणित्ता। एगादासणंपयइ। त  
णंसतिमलावत्रियाणीद्वडुडाजावदित



३८

अहसत्रमंघ्रिमास। गणधोववअनिमहं गिन्द्धानाहंसमसोदोडां अमापा उरंमिती मं वंतदिं॥१॥

39

यथा॥ एवं वयासी॥ तारवसुसगराश्रद्धावतागतिपासामगाश्रुविंतापयप	
इ। इयाणिंणयइ। तयइणं समणसगवं महावीर। गश्रुववइसपयाइव। अमिगा	
हं अमिगिणहइ। तारवसु	रुव्याख्या न
विसा। अगारवासानुअण	
याणीगहयाकयवलि	
वालंकारवसिया। तंगश्रं	
ताइकडुएदिं। ताइकसाएदिं। ताइअंबिलदिं। ताइसडुएदिं। ताइमिहदिं।	
ताइनुएकदिं। ताइनुएदिं। ताइसुकदिं। सबुगसयमाणसुहदिं।	





साणाणां। नवराहं सासाणां वक्रपडिपुसाणां। अहह साणाणां इंदियाणां। विदुक्ताणां  
 नुवहाणाणां सुगाहसु। यदासवंदजागां सासा सुदि सा सुदिति सिग सुवि सुहा सु  
 । ऊपु सुसवम नगा सुपयादि  
 पयायं मिनि यत्रासुणीयं मि  
 । पुव्वरत्र काल मसय मि। हक्क  
 सागासागां दारयं पयाया।।  
 जाया। संरयणिं वणं वक्रुहिंदावदियादवीदिया नवरां सदिया उययं सदिया।।  
 नयिं कुल सागा वया कदकद वया विहावा।। ऊंरयणिं वणं ससाणा नगवं महा



उद्यायाविदोष

वीरजाणतंरयणिं वणं वहावसमगा कंडधरतिथि संलगादवा सिद्धव  
 रायनवणं सिद्धिरसवा संवा सुवसवा संवा व  
 इरवा संवा वचवा संवा आन  
 संवा पत्रवा संवा सुष्वा संव  
 संवा वीरवा संवा गंधवा संव  
 संवा बुसवा संवा वसवा संव  
 वा संवा वा सिंसु तणं समिद्धा रवत्रिपत्रुवण  
 वइवाण वंतरजा इमवमाणि पदिंदावदिं ति

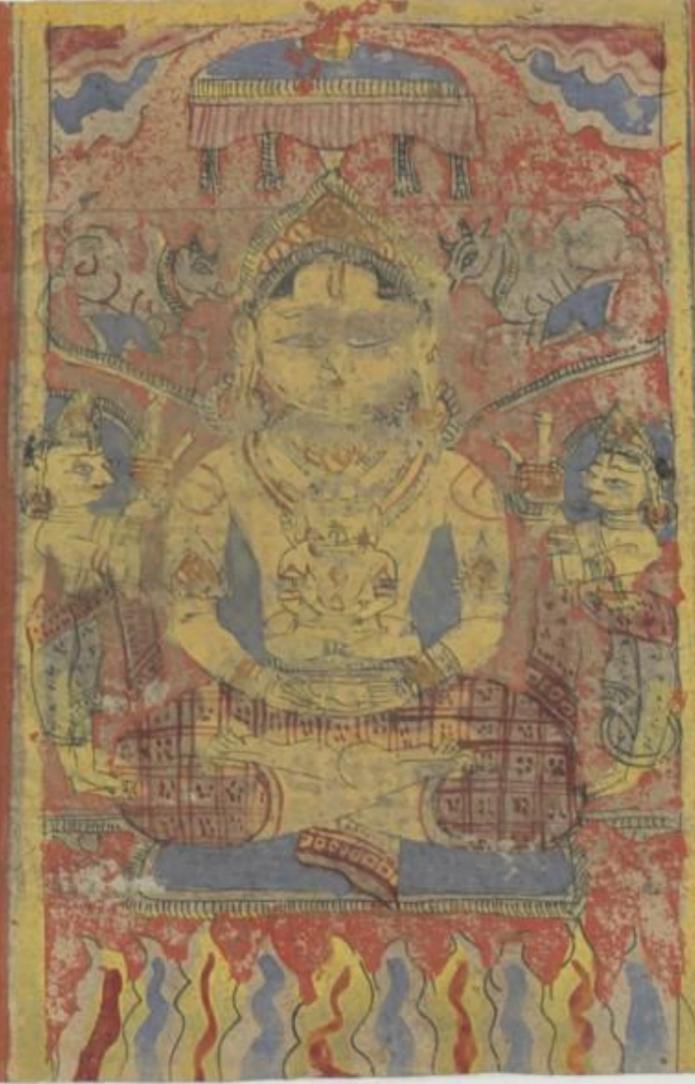


३२ समये

त्रयंजुमणिसिामयमहिमाणकयाणसमाणीप  
पञ्चमकालसितगरयुत्रिणमहावड।महाएणवंव  
यासी।।रिष्यामवलादवा  
कुंडपुरतगरघोरगासा  
रदाकरिना।माणुमाणा  
रदामाणुपकुंडपुरंतगरं  
वाहिरियंआसियंसंज्ञियावलित्तं।सिघाडग  
तियववकंवनमुदसहापदपादसु।सिघतसुड

गुणिया  
दणंक  
वदणंक  
मशितर

वन्नर



५१

संमहं च तं वरावीदियं। संचाइ संव कलियं। नाणा विहरा गत्रु मियं च यं पडागं  
 मंडियं। ला उलाइ यमदियं। गामि मसर सर च वं दगां दहरं दिन्न पं वं गुली तेलं।  
 उवदियं वं दगा कल सं। वं दगा पंड सुकया तारणा पडि दु वारा दस  
 सागां आसात्रा मत्र विउ लवहं वया रियं मज्जदा सं कला वं। पं व व  
 न्नसर मसुर निमुक्क पुष्क पुं जा वया र कलियं। काला गरु पद र कुं ड  
 रुक्क उरुक्क डद्यं तधु वया मघें त गंध दुया निरा सं। सुगंध वर गंधियं।  
 गंध वदियं। तड तट ग कुल मत्र मुदियं। वलं वग कद ग प व गला मगा। आर र्क ग  
 रं लं र क मं र वा त्ता इ ला चं व वी गिया। आणा गं ता ला च रा पु व रियं कर हा का रा म

दयकरिवायकारविवायज्ज्वसहसंमसलसहसंमचनस्मावहाकसवित्रा  
 मसगयंआणत्रियंप्रच्यिणांहातपांताकाडुवियपुरिसासिद्वत्रांरत्राएवंबु  
 त्नासमाणादहाजावदियया करयलजावण्डिसुणित्रारिचय्यसवकुंडु  
 एतगारधारगस्मादणंजा वनस्मवित्रा।डाणवसिद्वत्राय।तए  
 वनवागहंति।तएणशत्रा।क रयलजावकडुसिद्वत्रस्मरत्राजावण्य  
 माणत्रियंप्रच्यिणांति।तएण स्मसिद्वत्राय।डाणवश्रदणसालातएण  
 वनवागहंशातएत्रा।जावमावावारादणं।सवपुष्कगंधववमज्ञालंकारवित्रसा  
 एसववुडियसहतित्राणं।सहयाइहीपा।सहयाजुईपा।सहयाबलणं।सहुया





एतलंलपडिच्चमाणाय।पडिच्चारमाणाय॥  
 एवंविहरइ।तएणंसमाणस्मरगवउमहावीर  
 स्म।अंसापियगणयदमदि वसंतिइ  
 पडियंकारंति।तइएदिव सवंदत  
 सुरदंसणियंकारंति।वडे दिवसा  
 धम्मजागरियंकारंति।ए क्कारसमे  
 दिवसाविच्चंते।तिवित्तिपअसुइइ<sup>म</sup> कम्मक  
 रणसपत्तावारसाहंदिवसाविचलंअसाणप



धम्मवार  
 43

गणपतारवाइससाइसं उरकडा विंति उरग्नौ मित्रणाइतिययं मयणं संव  
 धिपरिङ्गां तायग्वत्रियय आसंतिज्ञातिनुपज्ञो गद्यया कयवलिकसा कयका  
 नयसगलसंगलययत्तिज्ञा ॥ लायणावलापलायणमंडवं सि सुदास  
 लावगया ॥ तणं मित्रणाइ गिययसंवे धिसयणपरिङ्गाणं मदिना  
 पद्विंस्वत्रिययं मदिंतेह विनलं असांय आसाणा वि  
 गणपरिचुंङ्गसाणा परिता एसाणा एववा विहरं ति डि मियं उचुत्रगग  
 यावियणं मसाणा आयंता चुरकायपरमसुइत्रया तं मित्रणाइतिययं मयणं सं  
 वंधिपरिङ्गां ताययय ग्वत्रियय विबलणां पुष्पवचनंधं मलां लंकारियं मका

चिंति।सस्माणिंति।सस्माणिंति।सक्कागृह्णा।तस्मेवसिन्नताइतिरमयणसंबंधिपरि  
 यणस्मा।तायाणयवत्रियाणयपुरन।पवंवयासी॥पुत्रिणिणं।दवाणुयिया।अष्टुंयं  
 सिंदारगं।मिगप्रं वक्कंतेमिस  
 जावममुय।जिवा।ऊय  
 एवक्कांता।तय।सिदं वणं॥  
 जावसावइ।ऊणं।पीइम  
 णं।अष्टुंयमदारण।जाएनविस्मइ।तयाणं।अष्टुंयस्यदारगसपयाणुइवंगा  
 सां।युणंति।यक्रंता।साधयंकरिस्मासा।वहमाणाति।तांअइंअष्टुंमणारदंमं

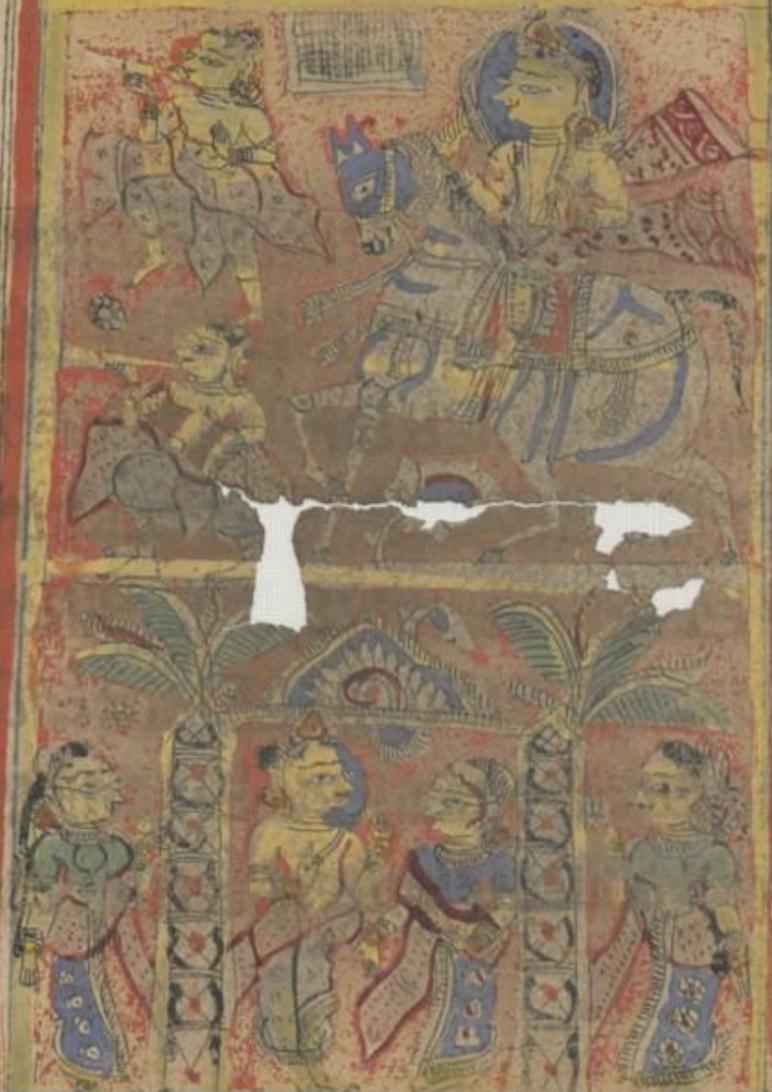


॥प्रथमं श्रुत्वा बुजसा दशाश्रुवलं न क कराम वाताक्रयपुत्रावरयाने वतारणीयाभिवानममचे ॥१॥

पत्नीज्ञाय। तंदाक्रणं क्रमाएव दमाणात्तामणं। समानं लगवं महावीर। म	
कासवगात्रणं। तस्मिन् तत्रतासाधज्ञा। एवमादिज्ञंति। तं। अस्मापिउसंतिपव	
दमाणात्त्रि। सदसंमुदया	एसमाणं अयलसयस्रवाणं। एरीम
रहावसगाणं। स्वंतिस्वमे	। एडिमाणं पाहागाधीसं अरुडरुडसाद
दविपा। वीरियसंपन्नाद	। त्रिंसाकयंतासो समानं लगवं महावी
एसमाणस्मणं लगवमुमहा	वीरस्मापियाकासवयुत्रणं। तस्मिणं तत्र
तासाधज्ञा एवमादिज्ञंति। तं। सिद्धात्तुइवा। मिज्ञं। सइवा। इसं। सइवा। समणस्म	
णं लगवमुमहावीरस्म। सायावा सिद्धागात्रणं। ती। सतत्रतासाधज्ञा एवमादिया	

॥दोषुपान्नदाहा  
 गिरध. हाउत्यललो  
 अमृतवचनहाकम  
 सरलमुजादंडुला  
 रसकंडुहामुकमा  
 हासहोदधिगंती  
 तिर्पनसारहासवयु  
 रहावं प्रवदनहा  
 लमंनहा  
 रवक्रज  
 रत्ररोह  
 हाचुवनभूषणहा  
 ण। हा निजकजाव  
 ती। हा कृदयवध  
 ग्यडुर्लजहावधम  
 रमांविहायक्रगतं

तं। तिस्रस्तु। विदहृदिनाइवा। पियका  
 रिणीइवा। समणस्मन्नगवतुसहावीरस्मा। पि।  
 विज्ञसुपासाम। डाहना यानंदि  
 वदुणा। सगिणीसुदंस गणपान  
 रिपाण्डुसाया। का डिनाण  
 गात्रगं। समणस्मगं नगवतु  
 महावीरस्मधुयाकासवीगुत्रगंतीसादा  
 नामधजाएवसादिज्ञंति। तं। अणाजाइव



क. नेमात्त . 45<sup>m</sup>  
 यालेखशालाकर  
 णान। दवेद्रष्टप्र  
 वकार। पंवांगकंठ  
 णंरुणेन। द्वाजिव  
 सुखसुद्विष्टाद्वे।।

65



यमङ्करमिस्मिरीयादिं वयुदिं अणवरयं अनितं दमाणाय अनिचुयमा  
 णायपवं वयासी ॥ कयपतंदा कयपलहा महंत कयपस्वत्रियवरवसदा ॥  
 बुभ्रादिनगवंलागतादा पवत्तदिं प्रसतिहं दिर्यसुदंतिस्मा  
 यकरं सवलायं सवजी वाणं नविस्मपुत्रिकहु ॥ कयपमहं प  
 तुंङंति प्रविं पिणिं सम णस्मलगतं महावीरसा मागुस्माभु  
 गिद्वधस्मान् अणुत्तर अयडिवाड आहादिपानाणदं मण  
 दाञ्च ॥ तपणं समणनगवं महावीरातणं अणुत्तरणं अहादिणं नाह  
 णदं मणसां अणुत्तरातिरकसां कालं आलापड अणुत्तरा ॥ विवादित्रं



विद्यासुवसं। विद्याधनं। विद्याधनं। विद्यारटं। विद्यारजं। एवं बलं बाह्यं। कासं  
 कदागारं। विद्यापुरं। विद्याश्रितं। विद्याकणवयं। विद्याविशुलक्षणकणारय  
 गामणिसुत्रियसंखसिल  
 तिज्ञं विज्ञेदुज्ञा। विज्ञावे  
 साइज्ञा। दागंदाइयागंय  
 पटमपरक। मगासिर  
 मीपरकगं। पाईगमासिणी। पायापयारिमीपाअसिनिवहापपमाणपत्राप। सु  
 वपणं दिवसगं। विडपणं मुड्काज्ञां। चंदपलापसिदियापा। सादवसपुयासुरा

॥ एगारिसकोडी ॥  
 कोडिसया। अत्रासि  
 कोडी ३। अथीयं चम  
 एयं संवत्

धई

णाम मणुग म्ममाणमये  
 वक्रियानेगलिया मुहमग  
 इमाण। म्ममाण। वदु मा  
 टियगलेदि। इहादि। कता  
 दि। मणुणादि। मणमादि  
 हे। कश्नाणादि। सिवादि। ध  
 गत्तादि। मिय म्मरमस्त्रि  
 । ईप्रदि। अतिनेदमाणा  
 गमाणाया। एवं वयासी। न  
 । न यरनहा। नहंतेनय  
 र व मजाव क्खि दिवसा  
 प्पकोई। वरुई नामाई  
 ३५२

पां वरुइं उकइं। वरुइं अयणाइं। वरुइं संव  
 च्चराइं। अनीणपरीसाहावसगाणां। खंतिख  
 म्मनयल्लरवाणां। धाम्मात्त  
 नवउत्तिकहु। इययमहं  
 ति। तएणं म्मणालगवं  
 ए। तयणमालामहास्म  
 इमाणपुवयणमालामहास्मदिं। अलिषुय  
 माणापु। दियमालामहास्मदिं उन्नदियमाणे



१३

(Faint handwritten text or bleed-through from the reverse side of the page)

मरणरुद्रमालासहस्रदि। वचिणमाणद्विगाहसुगां वक्रगांतरनासिहस्र  
 गां। अंजलिमालासहस्रां। पडिचमाण<sup>वक्रदि</sup>सुवगापंतिसहस्रां समडुवमाण  
 वीणातंतीतलतालवुडि  
 यमहाघासमीसिपयं  
 द्विहीपंजावरावगां। अंड  
 त्ना। जाणावनायसंडव  
 गावठवागवुडांतगुत्ता। आसागरणायवस्रअह सीयंवावडोअहगुत्ता। सीया  
 नुप्राघारुदड। सीयापुत्ता। मयसवआसंणं मलालंकारं वंसुअडअसपुत्ता। म

२कंतिहवयाणदिपि  
 माणशंअंजलिमाला  
 दि। दाइयमाण२x३

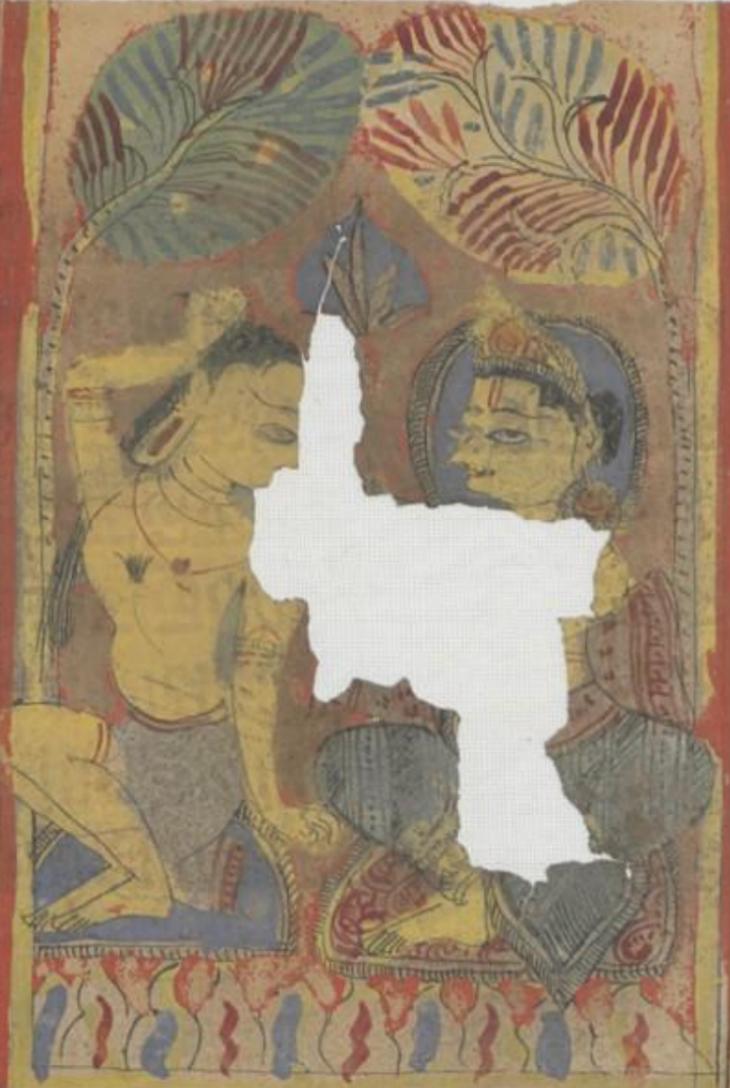
॥ निःक्रान्तेषु त्रिभुवनयुगैः । वर्धमानानि धनो । वस्त्रस्यार्धं न दय क्रुदयः । शुभमूल्यं ह्यिजाय । यत्तन्नेवं कथयति सदा निरुणे नोपि  
दानं । दत्तं सुकं किमपि सफलं । साधुसाधर्मिकाणां ॥ १ ॥

यस्य वयं च सुहृदियं ता अंकारः । सयत्ना । बहूनां सत्तणं अणुणं ।  
मरकात्तणं । जागमुवागणं । पंगदवदुसमादाय पंगं । अवीपुडन  
गनं अणुगारियं यद्वदुपं । समाणसगवं महावीरं ।  
मासं वीवरधरीदात्रा । तणपरं अणुणं ।  
मणसगवं महावीरं । इरगाइं दुवा ।  
कापं चियत्तदादहक । इनुवसगानुपु ।  
गुसावा । तिरिकडागियावा । अणुतासावा । एडिलासाव ।  
सदु । रवसइतिरकडु । अदियासडु । तणं समणसगवं महावीर



= वर्धितकनककरा  
विवर्धितमंततः श्रा  
त्रुत्तिनप्यामनायाति  
नंदिवर्धनब्राह्मण  
ब्राह्मणदृष्टता ॥ श्रा  
रिशायरं ॥ । रदारिद्व  
एण ॥ २ ॥ षडिवं नृमिदूया  
कलकराकमरकरा

अणुगारजाप। इरियासमिपनासासमिपा। पा।  
 मणासमिपा। आयाणलंडमत्रनिरववणासमि  
 पा। उच्चारणसवणारवत। सिंघा।  
 णाङ्कैवपारिडावणास। सिपा। म  
 णासमिपा। वयसमिपा। क। यम।  
 मिपा। मणयुत्त। वययुत्त। काययु  
 त्त। युत्त। युत्तवंतयारी। आकाहा।  
 अमाणा। अमाणा। आलात्त। संतयसंत। उवसं



तापरिनिबुडाअणामावाअसमेअकिंछणसिन्नगंधातिरुवात्तवाकंस  
 पातीइवसुकासाणसंखइवतिरंङ्गाणाजीवइवअण्डिहयाइंगयणमिव  
 निगलंबाणावानुविवअण्डिवाह्वासारयेसलितंबसुहृदियणपु  
 रकरपत्रंतिरुवात्तवाक  
 डाणविहगइवविण्यसुके  
 साहीरावसालाइवजाय  
 यकांयासागराइवगंतीरावंदाइवसामालासासुराइवदिवातएडवक  
 णागंवंजायकुवावसुंधराइवसत्रफासविसादासुकुयइयासाणाइवतयस



डलाताडामभिययाणंदात्रिसंगदणिगाहा॥३॥कंससंस्कजीवगभागावाक  
 यसारयसलिलया।पुरकरपत्रकस्मविद्वगखगायनाकड॥३॥कंडागावस  
 लसीदतगरायाएवमा  
 एवसुहुयहुयवद॥३॥न  
 नवशासपडिवंधवुवि  
 नसावन।दवुनणंसविज्ञा  
 नगरवा।अरसवा।एवतवा।एवलवा।घारवा।अगणावा।नदवा।कालन॥  
 समपवा।आवलिएवा।आणुपाणुएवा।हाववा।लाघवा।खणावा।सडतवा

गरसारवा।नाचंदद्वारकगायावसुंधरा  
 विगांतस्मलगावंतस्मकचवपडिवंध  
 ह्यनज्ञ॥तंडदा॥३॥३॥एवतनकाल  
 विज्ञमीमिणसुदावसु।विज्ञनगामवा

मि १०

आहारात्तवा। पारकवा। मासवा। ककवा। अथणावा। संवसारवा। अन्नयरा।  
 सुवा। दीहकालं। जाण। लावना। काहवा। माणावा। माणवा। लालवा। नपवा।  
 दासवा। पिङ्गवा। दास  
 वा। परपरिवाणवा। अरइ  
 ल्लवा। द्यप तस्मां। स  
 सावा। सवङ्गं। अहनिष्टदे  
 राइण। वासीचंद्रा। समाणकर्या। समतिण। मणिलिहुं। कंवाणा। समडुरकसु  
 ह्वा। इहलागपरलागा। अण्डिवाह। जीविय मरणा। निरवकं। रका। संसार



रणारगतीकं मसंगनिघायाण्डाणं अशुद्धिणपवंचणं विद्वरडातसाणं सगवं  
 तस्मा अयुत्तरणं नागाणं अयुत्तरणं दंसाणां अयुत्तरणं चरित्तणं अ  
 युत्तरणं आलपणं अयुत्तरणं विद्वारणं अयुत्तरणं वीरिणं  
 अयुत्तरणं अज्ञाविणं अयुत्तरणं महावणं अयुत्तरणं लाघ  
 विणं अयुत्तरणं परवंचीण अयुत्तरणं पुत्रीण अयुत्तरणं पुत्रीण  
 अयुत्तरणं पत्रुहीण अयुत्तरणं सव संज्ञातवसुचरियसावधि  
 यफलतिव्याणसाणां अयाणं लावमाणसा दुर्वासं वमरा इं विद्वकं ता  
 इं। त्तरसमसा संववरस्स अंतरावट्टसाणासा जास वि घ्राणं दा खमासावत

५०



क ह करणं सि। सा ल पा य व स्म अ ह गा दा द्रिया रा उ कु डु य नि नि न्ता रा आ  
 या व णा ण। आ या व मा ण स्म। ब ह णं स त्त णं। अ षा ण ण णं। ह क त्त रा दिं त र क  
 त्त णं। ज्ञा ग बु वा ग ण णं।  
 त्त र ति व्वां घा ण ति रा व।  
 ण टं स ण स मु षा ण्सा त  
 णा क व ली। स व न्न स व  
 परि या यं ज्ञा ण ड। पा स ड। स व ली ग स व डी वा णं आ ग डं ग डं व ति डं व व णं न  
 व वा यं त कं स णा मा ण सि यं बु वं क डं। ण डि स वि यं। आ वी क सं। रा दा क सं।

वृष्टंता॥ श्रीधर  
मृ १ नद ऊडीतलिण  
लिमसीगडाण॥३-जारे  
मालि णा४दवृना  
माण॥५ ब्रलत्रांति  
ति॥

अरदा॥ अरदसनागीतं॥ तं कालं सणवयणकायजाणवटुसाणणं सवला  
पसवडीवाणं॥ सवलावजाणसाणयाससाणविहरइ॥ तणं कालणं तणं  
समणं समणचगवंस  
तरावासां वासावांसंन  
रावासावासावांसंनवा  
तीसाणदुर्वासं अंतरा  
गरं तालं दं चवाहिरियं तीसाणचउहस अंतरावासावासावांसंनवागण॥१४  
वमिहिलाएददानहियाएणणं आलहियाएणणं एणियवृसीएणणं साव



- १ अम्विक्रयामि
- ३ एष्टिवंपाइ
- १२ विशालाइ
- १४ राजगृहनयरे
- ६ मियुजाइ
- २ नाद्रिकाइ
- ९ अजालिकाइ
- १ अनार्यवृमिक
- १ श्रावण्यां
- १ पापावां

एवंतुमासा ४२



संदिवहणापरका सुव्ययगीतासंदिवसा  
 उवसासइत्रिपुत्रुइशादवाणंदातासंसारय  
 णीतिरितित्रिपुत्रुइअ  
 मुत्रपाणाषावसिद्धा  
 करणासवदसिद्धामकु  
 दूणातरकात्राणंजागमु  
 णं॥कालगपविडकंताजावसवदुक्कण  
 हीणाडंरयणिंवणं॥समणानमणानगवं

इलाभ  
 नाग  
 त्वासा  
 धारण



मुक्तिः

53

महावीरकालगणजावसबुदुरकणदीणासागरयणीबहुद्विंदिदियव	वीरकालगणजावसबुदुरकणदीणा
वीदियनवयमाणदियनययमाणदियनरुद्रावियायाविदावाडंरयह	दियदवीदियनवयमाणदियनय
गिंयगंसमणनगवंमहा	लगय्याकदकदय्याविदावाडंर
सागरयणीबहुद्विंदिव	महावीरजावसबुदुरकणदीणातंर
यमाणदियनयिंका	यणंयणंकाहसागायमस्म।इंदयस्मअणगारस्मअंतवाशिसनायपि
यगिंयगंसमणनगवं	यबंधणावुच्चिन्न।अणंतअणुन्नरजावकवलवरनाणदंअणसमुयान्न

नवमध्वर्ण काशदेशराज्ञानोमद्विक ज्ञातीयानवः तथाकोशजदेशराज्ञानो  
नो छद्विक ज्ञातीयानव तेकार्यवशात्गणं मेलकं कुर्वतः अतिशयिगणराज्ञान

।ङंरयणिं वणं समणा जावसवदुर्कणदी  
णा।तंरयणिं वणं नवमल्लईतवलिच्चईकासी  
कासलगा।अज्ञारमविग  
याणाअमावसापाराह  
साहाववासंपद्विसुगण  
।ङंरयणिं वणं समणा जावसवदुर्कणदी  
णा।तंरयणिं वणं खुद्वापसासरासीसदगादे



गोतमपाटिबिचमपु

54

॥ धावा समह समिद्धी समणस्य गं न ग व न महा वीर स्मा ज्ञ मातर क व संकं त ॥ त  
 य सिद्धं व गं म मणा गं ति ग घा गं ति गं घी ग र्थ गण उ दि ग उ दि पं प्र या स क्कार ग ॥  
 प्र व त्त इ लु या गं स र बु द्धा  
 इ त या गं म मणा गं ति गं  
 इ लं र य गिं व गं म मणा स  
 ग ॥ तं र य गिं व गं कं षु अ  
 ग व न म च्चा गं ति गं घा गं ति गं घी ग र्थ ग ता व र कु फा मं द व मा ग च्च इ ॥ ज्ञा अ हि  
 या व ल मा ग व न म च्चा गं ति गं घा गं ति गं घी गं व र कु फा मं द व मा ग च्च इ ॥ ज्ञा

ए जा व ज्ञ मातर क ज्ञा उ वि ड कं तु स वि स्म  
 घा गं इ नु इ ग ड ग ड य स क्कार पं वि स्म  
 ग वं महा वीर का त ग प स व ड र क य दी  
 गु ड री ता मं स मु य ज्ञा ज्ञा ति या अ व ल मा

= अणु मू दं दे दं ध  
 उ व री ॥ क र्त्तु म न स  
 ती ति नो द्ध वं श र य ॥

मित्राव हृदि। तिगांषुदि। तिगांषुदिंयत्ताइंयुक्तायाइं। किमाहु संतं  
 द्ययसिइंमंकासदुगराहसविस्मइ।। तणाकालणांतणांसमपणांसमगास  
 नगनुमहावीरसइंदुइ  
 कासियासमगासंपया।  
 अकचंदाणासुरकाव  
 याअक्रियासंपयादावा  
 मणावासगाणंपणांसयसाहसीनु। इयणसहिंउमहसा। नकासियासम  
 गावासयाणंसंपयादावा। समगासलगतुमहावीरसा। सुलसारवई



मप०न०

५५  
 ॥वीरश्चिदिगम  
 त्रियपुरिसात्रजाव  
 एगनुगंतरुमीते  
 छिनिराणा॥ श्री  
 मि। दुभमश्चामिन  
 =१४ म० अ० तपो०

वासुदेवाणां॥समसावासियाणांतित्रिसयसाहस्मीनुअहारसयसहसात्रुका  
 मियासमसावासियाणांसंपयादावा॥समसासगवउसहावीरसातित्रि  
 मयाउदसंपुत्रीणां॥अ  
 त्रिवाडीणां॥डिणाविवर  
 नुदसपुत्रीणांसंपयादा  
 तसया॥कवलनाणीणां  
 याकवलनाणीणांसंपयादावा॥समसासगवउतरसयाउदिताणीणां  
 अहामसपत्राणां॥उकासियाउदिताणीणांसंपयादावा॥समसासगवउ

डिणाणां॥डिणासंकासाणां॥सवरकरस  
 अविहदंवागरसाणाणां॥उकासियाव  
 वा॥समसासगवउसहावीरसास  
 संलिन्नवरनाणदंसगपराणां॥उकासि

Source gallica.bnf.fr / Sanscrit 1453

महावीरस्म। मत्रमयावनवीणां। आदवाणं। तद्विद्विपज्ञाणं। नुक्कामियावत्र।  
 द्विसंपयादावा। समणस्मणंलगवत्रमहावीरस्म। पंचमयाविनलसईणं। अहा  
 इज्जसु। दीवसु। दासुयस  
 मणगणलावजाणंता। मुहसुमनीणंपज्जत्तयाणंपंविंदियाणं  
 समणस्मणंलगवत्रम। णं। नुक्कामियाविनलसइसंपयादावा  
 यासुराणपरिसाणवाण। महावीरस्म। वत्तारिसयावाईणं। सादवम  
 दावा। समणस्मणंलगवत्रमहावीरस्म। मत्रअंतवासिमयाइंसिहाइं। जा  
 वसवदुरकणदीणाइं। समणस्मणंलगवत्रमहावीरस्मवउहमअहियास

५



याइं सिद्धां जावमवदुक्कयाहीणां समासां नगवतं महावीरस्य अह  
 मया अत्राववाडयाणं गडकलाणां तिडकलाणां आगामसिद्धा  
 णं नकासिया अणुत्रा  
 समां नगवतं महावीर  
 ह्या जुगंतकडुधमीया  
 पुरिसुगानं जुगंतकडु  
 समां नगवं महावीर वडारासनाराय मंघयाणां समावतरमंहाणा  
 मंदिगासुतरयाणी वनहं उवातां ह्यात्रा तां कालां तां समयं समा

एतन्नगवं महावीर। तीसंवासाइं अगारवासमाद्यवसिज्ञासाडागगासाइं।  
 दुर्गसंभवसंराइं निइं वनमन्त्रपरियायं पाननिज्ञा। दसुणाइं तीसंवासाइं।  
 एकवलपरियायं पाननि  
 पाननिज्ञा। वावन्नरिंवा  
 निज्ञानयतामयुत्साइ  
 पवद्भुविइकं तापतिदि  
 मदिं पावापमधिमाएद्विपालसरात्तरङ्गसरापापराअवीपा। अ। व। ड। गं  
 नाज्ञां। अ। पा। ग। ए। णं। सा। इ। णा। न। र। क। त्ता। गं। । डा। ग। सु। वा। ग। ए। णं। प। वु। स। का। ल। म। स



॥पञ्चासनेनिर्गन्त॥

५५ अथावन

यंसि।संप्रति।यंकनि।सन्ना।पणपन्नं।अद्युयणाडं।कलाणफलविवागाडं।यह  
 णपन्नं।अद्युयं।।णिडं।यवफलविवागाडं।वत्तीसं।अपुहवागरणाडं।वागरिना  
 णवयणं।तामअद्युयणां।।विनावमाणशकालगपविडकं।तममु  
 द्याण।विन्नजाडुकरासर।।णबंधाण।सिहबुहयुत्तअंतगाडुपरि  
 निबुड।सवदुस्कण।।हीणा।समणससगवउसदावीरस्स।  
 जावसवदुस्कणदीण।।स्स।णववासमयाडं।विडकं।ताडं।दमसत  
 स्सयवासमयस्सअयं।असीडु।।इससवव्वरकालगवुड।।वायणंतरपुण  
 अयं।ताणउणसंवव्वरकालगवुड।।व।।इतिश्रीमहावीरकल्पपंचकल्पा।।

५ व्याख्यान नोचन स्थान

Source gallica.bnf.fr / Sanscrit 1453



सुयत्नः॥४॥विशाहादिपरिनिवृत्तः॥पतंगं कालं तं संपादयामि अत्रिद्विपु  
 रिशाहाणीपः॥५॥सगिशां पदसंसारं पदमपरकवित्रवदुला तस्मिन् वित्र  
 वदलस्य चतुर्षीपरकः  
 द्विद्यातः॥अंतं रं चयं च  
 वाणारसीपतयरीपत्रा  
 वरत्रकालससयंमि वि  
 द्वारवकंतीपः॥नववकंतीपः॥गुण्यमरीरवकंतीपः॥कुहिमिगत्रज्ञापवकंती  
 ॥पामां अत्रिद्विपु रिशाहाणीपः॥तिनाणावगण्या विद्वान्॥तं॥वदस्मि



मम

त्रिजाण्ड। वयसाणतयाण्ड। वृषतित्रिजाण्ड। तणं च व अत्रिला वगं सु  
 मिणदं सण विहाणणं। सवंचा वतियगं गदं अणुय विहा जावतं गं सुदं सु  
 द्दणं परि व ह ड। तणं काल  
 णीण। जा साद मं ताणं दा  
 गं ग्या स व डु ल स द म सी  
 णं। अ ह ड साण ग डं दिया  
 सि। वि सा दा दिं त र क त्र णं। जा ग सु वा रा णं। आ रा गा रा गं दा र यं प रा या। डं।  
 मं स वं पा सा नि ला व गं। ना णि य वं। जा व तं दा उ णं। कु सा र पा स ता स णं दा

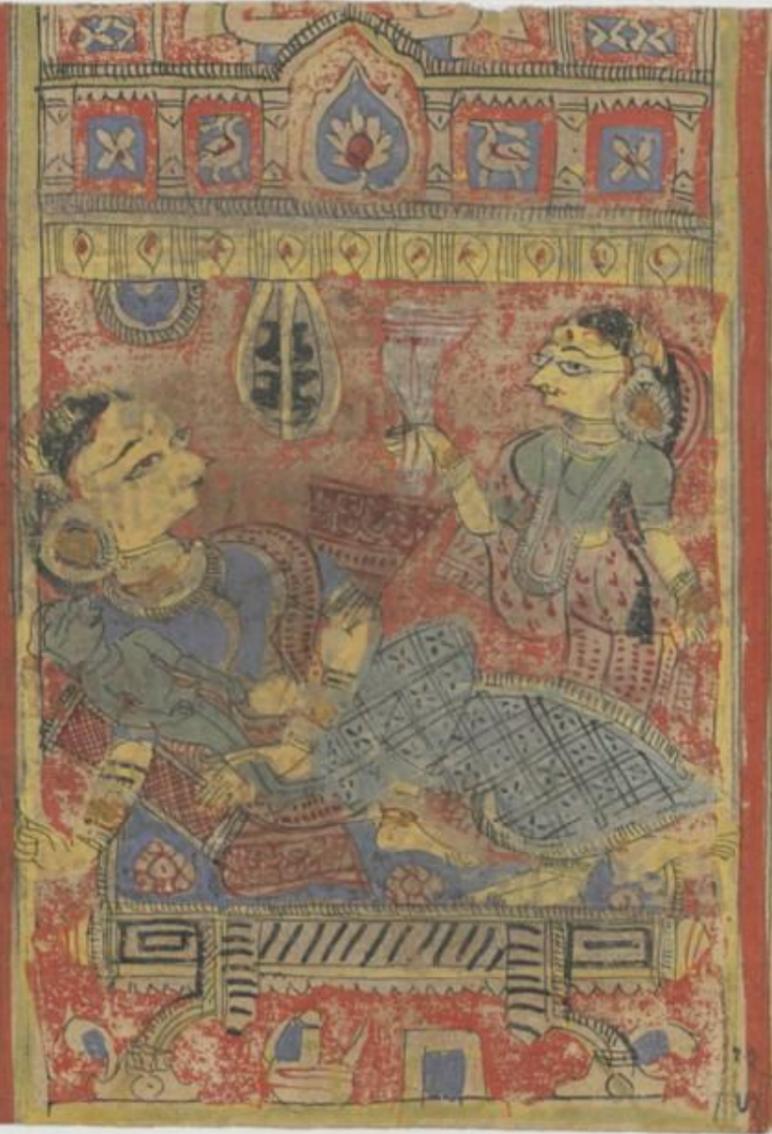


दवाइक वृच्छक  
श्रपं कश्चिमाधरति  
॥

लोके नरे रतीपण

करुणां पाम अरिहापुरिमादाणीप। दारकपड  
न। पडिह्वार। अलीणा। नदपाविणीपातीमंवा  
माइं अगारवाममाष्टवसि  
रविलागंतिदिंदावदिंजी  
पदिंताइंइहादिंजावशप  
मी॥ ऊयगनंदा। ऊयगन  
तऊयगवत्रियवरवसहा। जावऊयगमहंप  
मुंऊंति। पुष्टिंणिणं पामसागां अरिहनपुरिमादा

ज्ञासुण  
यकणि  
वंवया  
हानहं



पारगम

५९

णियस्मात्सायुस्मात्तत्रागिहवधुमात्रं अणान्तराद्वादिपातं च वसुं जा  
 वदाणं दाडयाणं परित्राविज्ञात्तासाहमंताणोदावमासतस्त्रपरकायासबहु  
 लतासाणंयासबहुल  
 यमि। विसालाणमिधिया  
 वंतवरंवाणारसिनगरिं  
 वआसमपपत्रज्ञाणाजे  
 इनुवापत्ता। आसागवरपायवस्मआहसीयंतावइ। मयिंठवइत्ता। सीयानंएख  
 रुहइ। एखापत्तासयामवासरणालंकारं वमुयइ। आनरत्ता। सयसवपं वमुहि





माणा। जासगि द्वाणं। पटसमासा। पटसप  
 एक। वित्रवकुला। तस्मां वित्रवकुलस्मा। व।  
 उचीपरकणं। सुवृणदका लसम  
 यंसि। धयदणयवस्मा। अह।  
 बहणं। तत्रणं। अयाणां णं विमा  
 दादिंतरकज्ञणं। जाग मुवाग।  
 पणं द्वाणं। तरियाणवदसाणस्मा। अणं। त। अ  
 सुत्ररनिद्याणयाण। तिगवरणा जावाकवल



नयेरु  
 ७।

वरताणदंमणसमुपात्र।डावडाणमणपासमणविहउपाससाणंर  
अरहनपुरिसादाणीयसा।अडगणाअडगणदरादावा॥तां।सुलयअड  
घामयवसिहबंनयारि य।सासमिहिरविवादीरताह।डास  
विया।पाससाणंअरहन पुरिसादाणीयसाअडवित्रयासुरकान  
सात्सममणसाहसी नुअकासियासमणसंपयादावा॥पा  
ससाणंअरहनपुरिसा दाणीयसमुषकडलापासुरकान।अड  
तीसंअज्ञियासाहसीनुअकासियाअज्ञियासंपयादावा॥पाससाणंअर  
हनपुरिसादाणीयसमुषयपासुरकाणं।समणावासगाणंएगासयसाहसी

१०५६४७७७

६१

वनसहिं वसहस्रानुक्तासियासमराणावासासंपयादात्रा। पासस्मरां अर  
 दनुसुतंदायापुरकाणं समराणावासियाणं। तिन्निमये सोहस्वी नमज्ञावी संव  
<sup>२७</sup>सहस्रानुक्तासियास <sup>३१</sup>मराणावासियाणं संपयादात्रा। पासस्मरां  
 अरदनुसुदुहेसयावत <sup>३१</sup>दसपुत्रीणं। अडिणाणं। डिणसंकासा  
 णं। मध्वरकरजावतनद <sup>१०७०</sup>सपुत्रीणं संपयादात्रा। पासस्मरां वत  
 हससंयानुदिनाणीणं। <sup>१०७०</sup>हससयाकवलनाणीणं। एकारससह  
 यावतुत्रीणं। वस्मयारिनुमडीणं। अदहसंमयाविनुलमडीणं। वस्मयाघाडीणं। द  
 सअंतवासीमयासिद्धा। वीसंमया अजित्यासिद्धा। वारससया अणुवलाववा



इत्याणां। पासस्माणां अरुहनुपुरिमादाणीयस्मादुविहाअंतकडचुमीदाहा॥  
 तां। जुगंतकडचुमीयपरियायंतकडचुमीया। डाववउचानु। पुरिसजुगाउजुगंत।  
 कडचुमी। तिवामपरिया  
 पाणां। पासअरिहापुरिस  
 वसिहा। तमीइराइंदिया  
 मत्ररिवासाइंकवलिप  
 साइंसासत्रपरियायं पाउणिना। पकंवासमयं मदानयं पालइना। रवीणावय  
 णिहाउयनामयुत्त। इमीसनुसयिणीएइससयुसमाएबहुवियकंताए। ज

पाअंतमकामी। तगांकारलगांतगांसम  
 सादाणीपातीसंवासाइं। अगारवासमइ  
 इंवउमत्रपरियायं पाउणिना। दसुणाइं  
 रियायं पाउणिना। पडिपुनाइंसत्ररिवा।

सवासागं पठाममादाद्यपरक। सावणसुहृत्सगंसावणसुहृत्सुहृमीप  
 रकगंनयिंममयासतसिदरंसिअयासात्रीसइसमासिपगंनस्रगंअयाणप  
 संविमादादिंनरकस्रगं। ● लागसुवागणं। पुवणदकालसमयंसि  
 त्मयारियणीकालगण ● जावसवदुरकणदीणा। पामसगंअर  
 दनुंजावसवदुरकणदी। गसा। दुवालसवासमयाडंविडकंताडं।  
 त्तरसमसगंअयंतीसइ ● त्तसववृरकालगवडा। उ। त्तगंका  
 लगंत्तगंसमपगंअरहाअरिहासमीपंवविज्ञादावा। तं। विज्ञादिंनुपवडज्ञा  
 गप्रंवकंता। तद्ववउवाकवा। जावविज्ञादिंरितिबुपात्तगंकात्तगंत्तगंस

मरणं अरहा अरिहानमी।। ज्ञानमवासाणं प्रवृत्तमासा। मन्त्रासपारमकत्रियवदुले  
तस्माणां कत्रियवदुलतस्मावारमीपरकणां। अथराजियाउमहाविमाराणववनीसमा  
गारावमदियात्र। अणंतरं  
वास।। मारियपुरनगर  
वीपुवरत्रावरत्रकाला  
सवंतद्वयसुमिणदंमण  
तणां ममणं अरिहानमी।। ज्ञानमवासाणं प्रवृत्तमासा। मन्त्रासपारमकत्रियवदुले  
स्माणां सावणसुवस्मापंचमीपरवणां। नवगहंसासाणां। डावचिनादिंनकात्रणां।

अथं वदना।। डाहवदं बुदीवदीवसारदे  
मसुद्विजयसारवा।। मारियापमिवाह  
ममयंमि। डावचिनादिंनकात्रणां  
द्विणामहरणाइयं वदनां।। तणां कालाणं

॥ इति सुवागं आरामागं पयाया ॥ इति सुवागं ॥  
 समुद्रविद्यया जिलावगं तयव् ॥ इति सुवागं ॥  
 गं कुमार अरिहात सीतास गंतं हे  
 नुगं अरहा अरिहात सीतके इति सुवागं  
 तिनिवाससया इं कुमार अ गारवा  
 समाह्वारमिनागं सुगारवि लाइ  
 तिपदिं डीयकपिपदिं दारदिं तं च वसवं न  
 गिं ॥ इति सुवागं दारयागं परिनाइत्ता ॥ इति सु



नमि नाथ  
 64

वासाणंपटमसासादात्रपरकासावणसुहृत्समांसवणसुहृत्सवहीपरकाणं  
 पुत्रादकालसमयंसि। नृत्तरक्रणमिवियाण। सादवयुआसुरापरिसाण। अ  
 पुगम्सामाणसादाजाववार वईपतगरीण। सद्युसद्युणंतिगात्रइतिगा  
 पञ्जाणवसवयपञ्जाणा तरणवसुवागत्रइउवापञ्जा। आसागव  
 रणयवस्मआदिमीयंवाव इहाविज्ञामीयानुपाचारुदइ। पञ्चाश  
 सयसवआतरणमज्ञालं कारंनुमुअइउमुअइसा। मयसवपंच  
 मुहिअंकर। बाहणंनज्ञाणंअणणणं। विज्ञादिंनरकतेणं। जागसुवागणं।  
 पणंदवइसमादायणणं। पुरिसमहास्साणं। सद्धिंमुडनविज्ञाअगागत्रअ

गगारियंयवडपा अरिहाण अंरिहातसीचनुयत्रंगडं दियडं तिउंवा मडकाण  
 वियत्रदद। तं च व म वं जा व पा ण प न ग म ग डं दि ग म अं त रा व र ह मा ण ॥ ड म वा  
 म्मां त म्मा म्मा पं च म प र का  
 म्मा प न र सी प र के तां दि व  
 ड म पा य व म्मा अ ह व ड  
 तां ड म ग मु वा ग पा तां ड्वा तां  
 जा व म व ला प म व डी वा तां मा च जा ण मा णा पा म मा णा वि ह र ड अ र ह न तां अ  
 रि हा त मि स र व र ड न पा मु र का व अ ह र म म मा ण मा ह म्मी नु नु का मि या म स ण



अहार सगण हरागण यदोडा ॥ अरह उरां अरिहातमिस्स

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संप्रयादात्वा अरदुनं अरिहानमिस्म अज्ञ डरिणीयासुरकाणं वत्तली सं	४४
अज्ञिया मादस्मी नानकासिया अज्ञिया संप्रयादात्वा अरदुनं अरिहान	
मिस्म तंदपासुरकाणं मम	एणावा मगाणं पगा मयमादस्मी अरुगात्त
विं च मदस्मानकासिया	मावग संप्रयादात्वा अरदुनं अरिहान
मिस्म मदा सुव्याया मुह	काणं ति त्रिमयमादस्मी तं वत्तली सं वसा
दस्मा उकासिया मसराणावा	सियाणं संप्रयादात्वा अरदुनं अरिहान
मिस्म चत्वारिसया व वद म पु वीणं अज्ञियाणं ज्ञिया संकासाणं मवृकरजाव	
दात्वा पन्नर म मया वदिताणीणं पन्नर म मया कवलताणीणं पन्नर म मया व	

उचियाणं। दसमया विचलसईणं। अहमया वाईणं। आलसंया अणुत्तरावव  
 इयाणं। एतरसमसणसया सिद्धा। तीसं अज्ञिया मयाइं सिद्धाइं। अरहउणं अ।  
 रिहातसिस्सदुविद्वअंत  
 यायंतकडुइमीया। डाव।  
 वात्तसवासपरियाण। अं  
 अरहा अरिहातसीतिनि ५६ विवम  
 नयन्नंराइं टिइंयां वउसवपरियायं पाउणिजा। दसुणाइं सत्तंवांसमयाइं क  
 वलिपरियायं पाउणिजा। पडिसुवाइं सत्तंवांसंमयाइं। सासन्नपरियायं पाउह



गिज्ञाणं वाससहस्रं सदानुअं पालइज्ञा। रवीणा खयणिज्ञानयनामणावे  
 इमीमनुअणिणीणइमसुसमाए। वङ्कविइकंताणा। इमीमिष्ठाणं। वनुअसामे  
 अहमपारक। आमाह सुहातस्मणं आमाह सुहस्र अहमीपरक  
 णं। वणिं उज्जितं सलसि दरं सि। पंतमपदिं वनीसामदिं। अणर  
 गारदिं सदिं। मासिणं नालाणं। विज्ञादिं तरकज्ञाणं। ज्ञागसुवाग  
 एणं। सुवरज्ञावरतकाम लसमयं सित। सिहूपकालगएयं एण  
 जावसवदुरकणदीणा। अरहवणं अरिहानिसिस्मकालगयस्मा। जावसवदुरक  
 णदीणाससवरगसीइं वाससहस्राइं विइकंताइं। पंवासीइमसमाससहयं स

८४ वर्षीय अथ ८०

८५ सि अ

६६

EC2949  
 240  
 ४ ८०  
 ८४५८०



१कोटिसदस  
१०००६५८४८०००

स्माङ्गं नववाममयाङ्गं विङ्कंताङ्गं दसमस्मयवाममयस्मा अयं अमीडामसंबव  
एगवडशाण अस्मणं अरहनं जावसव दुग्कणदीणस्मा गगवामका डिमहसे  
विङ्कंतामसंङ्कहासहि  
हस्मा विङ्कंता तंमिस  
विङ्कंता दसमस्मयवा  
एवं अगां वजावामयं सो  
वसव दुग्कणदीणस्मा गगवनागपतिववाम विङ्कंता पंचमहिं वसयासा  
हस्मा मसंङ्कहासहिस्मा ॥ ४ ॥ १६ संतिस्माणं अरहनं जावणदीणस्मा गगव

पलोपमवपुर्षोनागः ॥ ६५८४८००० ॥ २  
००१कोटिसदस ऊं

६३

कलागकलापलिनवासविडकंतापत्रिं वसयसहस्मा॥समंडहामत्रिस्मा  
 ॥३॥५५धमस्मां अरहनडावयदीणस्मातित्रिमागारावसांडं विडकंतांडं प  
 न्हिंवासमंडहामत्रि  
 णस्मा<sup>५५सा०अं</sup>सहसागारावसा  
 ॥३॥३३विमलस्मांजा  
 ताइंपसहिंवासमंडह  
 जावसवदुक्कयदीणस्मां<sup>५५सा०अं</sup>यालीसमागारावसांडं विडकंतांडं पसहिंवास  
 मंडहामत्रिस्मा॥३॥सज्ञंमस्मां अरहनडावयदीणस्मा<sup>५५सा०अं</sup>णसागारावसम





वसकाडिसयंविष्कंतामसंजहासीयल  
 स्मातिवामअहनवमासाहियवायालीस  
 महास्मदिकुणागसिधाइ ॥वा॥  
 सुयामस्मांअरहनकाव यदी  
 गासाएगासगागावसको डीम  
 हास्मविष्कंतामसंजहासी  
 यलस्मातंविमंतिवामअहनवमासाहिय  
 वायालीसमहास्मदिकुणागसिधाइ



७९  
 ६५

॥ ६ ॥ प्रथमं पदं समाप्तं जावपदीनाम् । तस्य सागरावमाकाडिमहस्माविदुक्ता ॥  
 तिवामत्रुद्वतवमासादियवायालीममहास्महिंद्र्याइयंसंज्ञदासीयलस्म  
 स्मा ॥ ३ ॥ प्रथमं पदं समाप्तं अरु  
 दीमयमहास्मविदुक्ते  
 मासादियवायालीमसा  
 अरुद्वजावपदीनाम् ॥  
 दुक्ता ॥ समंज्ञदासीयलस्मा तिवामत्रुद्वतवमासादियवायालीममहास्म  
 हिंद्र्याइयंसंज्ञदासीयलस्मा ॥ ३ ॥ तस्य सागरावमाकाडिमहस्मावि

दनुजावपदीनाम् ॥ ३ ॥ तस्य सागरावमाका  
 समंज्ञदासीयलस्मा तिवामत्रुद्वतव  
 हास्महिंद्र्याइयंसंज्ञदासीयलस्मा ॥ ३ ॥ अत्रिनेदगासागां  
 तस्य सागरावमाकाडिमहस्मावि

विमयसदस्माविद्वंतासीसंज्ञहामीयलस्मातिवासअद्वनवमासादिय  
 वायालीससदस्मादिद्वंताइं॥पञ्चद्वियस्माणंअरद्वनजावयदीणस्मापनामं  
 सागारावमाकाडिमयसदस्माविद्वंताससंज्ञहामीयलस्मा  
 तिवासअद्वनवमासादि  
 ॥व॥तणं कालणं तणं  
 नृत्तगसाहअनीद्वयं  
 चद्वतागप्रं वंताजावअनीद्वणपरितिवुण॥व॥तणं कालणं तणं ससणं  
 णं नृत्तगसाहअनीद्वणपरितिवुण॥व॥तणं कालणं तणं ससणं  
 णं नृत्तगसाहअनीद्वणपरितिवुण॥व॥तणं कालणं तणं ससणं

द्व्याख्याने



प्राणावगाहात्तं॥ तदस्मिन्निजाणां॥ जावसुनिणयासु॥ तं॥ गयगा  
 दा॥ सवतद्वतवरेणं॥ संभसंमुदगा॥ अइंतपासु॥ ससागयं॥ तासिस्कुल  
 गरस्मवागरइ॥ सुमिगाया  
 इ॥ तगां॥ कालगां॥ तगां॥ स  
 मिष्टागां॥ एहासमासा॥ एह  
 लस्मअहमीपरकां॥ न  
 गइंदियागां॥ जावआसाहादिं॥ नरकागां॥ जागमुवागां॥ आरागागागां॥ दा  
 रयंपयाया॥ तं॥ सवजादवादवी॥ न्यसुहा॥ रवांसं॥ वासिं॥ सु॥ ससं॥ ताद्ववारागा



सादृशां। सायुस्मान्नावहणउसुंकमाईरुडिय  
 श्रुववङ्गंमवंचणियवंचं। उमालगंअरदाका  
 मतिपकासवामाज्ञां॥ तस्मगांपं  
 वतामाधुजापवमादिज्ञं तितंजप  
 उमालवा। पटमरायावा यपटमति  
 रकाररडवा। पटमडिणे इवाधपट  
 मतिचंकारडवा। उमालगंअरदाकामतिप।  
 दागकादरकपडान्। पडिष्टावा। अलीणो। नदृणा



७२

७१

विणीपवीसंपुत्रसयसहस्माइं कमारवासमाद्यवसइ। तव हिं वपुत्रसयस  
 हस्माइं रङ्गवामसद्यवसमाणा। लिहाइयानगणियय्यहाणावुसुनणरुययत  
 क्ववसाणावाववचिंक  
 यंचकसाणां। तिन्निविण।  
 यं। रङ्गसपअभिभिंचइ।  
 कण्णहिं। ससंतं। वस  
 लाइवा। इरसगिष्ठाणां। एहमसासपहमपरक। विववडुलतस्साणां वि  
 ववडुलसाअहमीपरकणां दिवससापश्चिमसासा। सुदंसणापसिवियाग।



सखदमपुयासुराणपरिसापसपुगसमागसगा। जावविणयिं गयदाणिंम  
 झंमद्विणंतिगावड। तिगाविना। डिणावमिद्ववणावडाणा। डिणावअमो  
 वरपायवतिणावववाग  
 जावसयसवचनुमुहि।  
 अणाणां। आग्वाढ  
 णालागाणं। गडनाणंर  
 खद्वमसादायुंउदविनाअगारनुअगागरियंपवडुणावसासणंअरदा।  
 कामलिपनिवांवासडकाएचियत्रादहजावअणाणंसावसाणसपकंवा

Source gallica.bnf.fr / Sanscrit 1453

मसहस्रां विदुर्कंतीं तनुं गां जासहसं तागां । वनुञ्च सासमत्रासपरकफगु  
 गावङ्कलतस्मां फगुगावङ्कलस्माद्दकारमीपरकणां । पुत्रगदकालसमयं  
 सि।पुरिमताततगरस्माव ● द्वियासगडुमुहं सिनुज्ञाणं सितरगाह  
 वरपायवस्य आह। अहमे ● णं नज्ञाणं अयाणपणं । आसाहाहं त  
 रकज्ञाणं जागमुवागप ● णं । द्याणं त्रियासहसाणस्मा अणं त  
 जावजाणमाणायाससाणे ● विहरडा नुससस्मां अरहनुका सति  
 यस्मा वनरासीदगाणा । वनरासीदगाणदराहावा नुससस्मां अरहनुका  
 सलियस्मानुसनासाणायासुरका नुवत्ररासीदसमणसाहसीनु । उकाशिया ।

समणसंपयादाहा॥ नमलस्यगां अरहनकासतिस्मा वंलीसुंदरिणसुरकागां  
अज्ञियागांतित्रिसयसाहस्मीननकासिया अज्ञियागां संपयादाहा॥ नमल  
सागां अरहनसिहं सयासु रकागां समणावासागां तित्रिसयस  
हस्मीनपंचमहस्मा नको मियासमणावासासंपयादाहा॥ न  
सतसागां अरहनसुसहा प्रासुरकागां समणावासियागां पंचम  
यसाहस्मीन वनपंचम हस्मानकासियासमणावासियागां  
संपयादाहा॥ नमलसागां अरहन वचारिसहसासत्रमयापनासावनहस  
पुवीगां अज्ञियागां ज्ञियासंकासागां नकासियागां वनदसपुवीणसंपयादा



इयाणां। गडकलाणाणां। जावसहाणां। नाकासिगुमनसाणां। अरद्वदुविदा  
 अंतकडुवृषीदावां। तौ। जुगंतककडुवृषीयपरियायंतकडुवृषीय। जावअमेरे  
 ज्ञानपुरिसजुगानुअंता। कडुवृषी। अंतासुडुवृषीपरियायअंतमकासी  
 एतणां। कालाणां। तणांसम। एणां। नमानअरदाकासतिषावीसंपु। मय  
 महसाइं। कुमारवासम। एवसिज्ञाणां। तवडिं। वपुवमयसहसा  
 इं। वृवासम। एवसिज्ञा। एणां। तीसीइं। पुवमयसहसाइं। अगारवास  
 माएवसिज्ञाणां। एगं। वासमहसंबनरवृपरियायं। एणुणिज्ञा। एगं। पुवमयसह  
 सां। वासमहसाणां। कवलिपरियायं। एणुणिज्ञा। एडि। पुवमयसहसां। सासा।

नपरियायं पानिना वनगमी इंद्रुवमयमदस्माइं। सव्यानुयं पालइत्ता। स्वी  
 णावयणिज्ञानुयतासागात्वाइमीसनुसपिणीएसुसमदुसमसापमसाप।  
 बडुविइकंताए। तिदिंवा ।सदिंअहनवासदिंयसासदिंसासदिं  
 ।डासाहसंताणंताइसा ।सपंवासपाकसाहवडुलतस्साणंसा  
 हवडुलस्साणणतर मीपास्काणं। नपिंअहावयासलसिहरं  
 सि।हसदिंअगागारस। हस्सादिंसदिं।वनहससाणंनत्तणंअ  
 णाणणंअनीइगाइतरकत्तणं। डागसुवागणं। पुवगदकालसमयंशि।  
 संपलियंकनिसन्नकालगपविइकंता। जावसवदुरकण्दीणा। नसससा।

णं अरुहं कामलियस्सकालगयस्स। तिथिवासा अरुहं नवमायमासा विदुं कंता।  
 तनुविपरं गायमागारावमाकावाकाडीतिवास अरुहं नवमासा द्वियवायाली।  
 सागवाममहास्मदिकुणि  
 दावीरपरितिबुद्धितनु  
 वासमयस्स अरुं असी।  
 णं तणं मणं मणं मणं।  
 गाहात्ता।। साकणं हणं नंतणं वं बुद्धं। मणं स्स नगवतुं महावीरस्स नवग  
 णा इकारमणं दराहात्ता। मणं स्स नगवतुं महावीरस्स।। जाहं दं दं अरुं अ

या विदुं कंता। पयं मिसमपममणं नगवं म  
 विपरं नववासया विदुं कंता। दममस्सय  
 इमसं वं चारकालगात्ता।। तणं काल  
 नगवं महावीर नवगणं इकारमणं द

Source gallica.bnf.fr / Sanscrit 1453

णागारगायसागाज्ञां।पंचसमणसयाडं  
 वापड।मद्यिमपअग्निवृद्धअणगार  
 गायसगुज्ञां।पंचसम  
 डंवापड।पुकराणियम  
 रवाउवृद्धतासगांणाय  
 ज्ञांपंचसमणसयाडंवा  
 षारअङ्गवियज्ञारहापगाज्ञां।पंचस  
 मणसयाडंवापड।धारअङ्गसुहामअ



76  
 38

गीतसायणसाज्ञां पंचमसगमयाइं वापइ ॥ पाथरमंडियपुत्रवासिड  
 गाज्ञां अहुहाइं मसगमयाइं वापइ ॥ द्वाधरमारियपुत्राकासवगाज्ञां  
 अहुहाइं मसगमयाइं वापइ ॥ पाथरअकं पिपगायसागाज्ञां  
 ॥ पारअयलनायादाह रिद्यायणागाज्ञां ॥ तदुत्रिविषयाति  
 त्रिपसगमयाइं वाइं ह ति ॥ पाथरसयाज्ञा ॥ पाथरयपनायाप  
 द्वात्रिविषया ॥ काडिना गाज्ञां ॥ ति त्रिपसगमयाइं वाइं ति ॥  
 एसातगाअहाणं अज्ञापवंबुवइ ॥ मसगमयाइं मवउं महावीरसा ॥ नवगा  
 गापकारसगाणहगहावा ॥ सात्रपसगमयाइं मवउं महावीरसा ॥ एकार

सविगाणद्वरा<sup>वा</sup> दुलासंगिणावाहसपुत्रिणासमत्रगलिपिंडुगंधरगांरयनि  
 दिनगारमापणंसात्रांअपाणपणंकातरयाजावसवदुकरकयदीणाधे  
 लइंदवडीषारअज्ञसुद  
 रिनिबुया।।इइमअज्ञ  
 चिअज्ञसुदमस्माअ  
 द्गरतिरवशावचिना।।  
 गांसमणस्मनगवतमहावीरस्मकामवगातस्माअज्ञसुदमाधारअंतवा  
 मी।अग्निवसायणसगात्ताघरस्मांअज्ञसुदमस्माअग्निवसायणमगु  
 र्मसिद्धिगपसदापचादुविविस्वराप  
 ज्ञापसमणातिगांधाविदरंति।पणंसा  
 गागरस्मआवधिज्ञाअवसम  
 वासमणनगवंसहाणकामवगात्ता।



तस्मात्तुङ्गं बुतामघरा अंतवामी कामवगा  
 त्वाघरस्मात्तुङ्गं बुतामस्मात्कामवगा तस्मा  
 अङ्गणनवेघरा अंतवा सी कव्याय  
 गमसात्त्वाघरस्मात्तुङ्ग कणनवस्मा  
 कव्यायणमगा तस्मात्तुङ्ग सिङ्गल  
 त्वाघर अंतवामी मगम पि या वचमगे  
 त्वाघरस्मात्तुङ्गमङ्गलवस्मात्त्वा अंतवामी  
 मगागपिनुणा वचमगा तस्मात्तुङ्गमजलद्वारा



अंतवासीचंगियायणमगुत्त॥६॥ संखितवायणापत्रुक्तसमसहानुअगा  
 न।सरावतियालगिया।तं॥अक्तसमसहसंभंगियायणसंगात्तस्म।अंतवा  
 सीदुवधरा।सपअक्तसं  
 वाक्तपाईणसगात्त।धर  
 गुत्तस्म।अंतवासीधर  
 गंअक्तधूलनहस्म।गा  
 अक्तसहागिरी।पलावत्तसगात्त।धरअक्तसुदही।वासिहसगात्त।धर  
 स्मगंअक्तसुदविस्वा।वासिहसगात्तस्म।अंतवासीदुवधरा।सुदियसुप



पडिबुद्धा। काडियकाकंदगा। वग्याववसगुत्ता। षगणंसुत्रियसुपडिबुद्धाणं  
 काडियकाकंदगाणं। वग्याववसगुत्ताणं। षगणंसुत्रियं अंतवामीषारअ  
 क्कइंददिना। कामियगो  
 यमगात्रस्मा। अंतवामी।  
 णं अक्कदिनस्मा। गायमस  
 क्कइस्मा। कामियगात्रे  
 कामियमगात्रस्मा। अंतवामीषार। अक्कवहरा। गायमसगात्रा। षरस्माणं अ  
 क्कवहरस्मा। गायमसगात्रस्मा। अंतवामी। वहारिषरा। षर अक्क नाइला। ष



पाङ्गोमागात्रस्म। इमवत्रारिषगत्रंतवामी। अद्वावद्याअनित्रयादात्रा॥  
 प्रारगादास। प्रारअग्निदात्र। प्रारइन्द्रदात्र। प्रारसामदात्र। कासवगात्र  
 गां। प्रारद्विंतागादास  
 मगणेणामंगणनिगा  
 या। एवसादिङ्गंति॥ तं॥  
 द्विगिया। दासीरववडिया  
 वसागात्रस्म। इमदुवालसाप्रग। अंतवामीअद्वावद्या। अनित्रयादात्रा॥  
 तं॥ तंदणसाहाउवतंदनहा। तीमनहा। इमनहा। प्रारयसुमणनहा। गणि

नद। पुत्रनाद। धारय धुलनाद। उद्यु मई जुं बुना धिऊया। धारय दीद नद। ध  
 रतदं पुं नदया। धरसाणं अऊ संशय विऊय समाटरसागात्रसा। इमानुसत्र  
 अंतवाशिणीतं अदाववा नुअनिनायावंदात्वा॥ तं॥ ऊरका। ऊरक  
 दिना। वृया। वृयदिना। म णा। विणा। रणा। नगिणीतुं धुलनदसाधे  
 रसाणं अऊ धुलनदसा। गायमसागात्रसा। इसादाधरा। अदाव  
 धाअनिनायादात्वा॥ तं॥ धरअद्यमदागिरीपलावव मगुत्वा। ध  
 रअऊ सुदवीवासिदुसागात्र। धरसाणं अऊ मदागिरिस्मएलावव मगुत्वा  
 इमअदाधरा अंतवासी अदाववा अनिनायादात्वा॥ तं॥ धरउत्तर। धरव



लिस्माह। धारधागाह। धारमिहिहा। धारकाडिन्ना। नागा। नागमिन्ना। धारबु  
बुण। राहयुत्तनामाका। मिययुत्तगां। धारदिंताणं। बुबुणदिंता। राहयुत्त  
दिंता। का। मिययुत्तदिं  
ताणं। नुत्तरबलिस्माहदिं  
गा। तिगापा। तस्माणं इमाव  
संघिया। सामत्रिया। का  
हविस्मावा। मिहमागात्तस्माह। मडुवात्तमाधरा। अंतवासी अदावच्चा अत्रिना  
याहावा। तं। धार अङ्गराहणा। नदकासराहाहउगणीया। का। मिहीधसु

ता। तत्तगां। तरा। मिया। तिगाया। धारदिं  
ता। तत्तगां। नुत्तरबलिस्माहगाणातासंग।  
वच्चारिस्माहाव। एवमादिङ्कंति। तं। के  
दुंवाणी। वंदनागरी। धारस्माणं अङ्कसु

द्वियपसुयडिवाटद्वरिक्कयतदरादयुत्तयपइमियुत्तयसिरियुत्तय  
 गणीयबंजगणीयतदामातपदमादायगगादरायवुपपसीसासुदर  
 विस्मायारहिंताणंअ  
 तवणंभददगणातासं  
 नुतिगायाववकुलाइ  
 सादिज्ञंति॥तं॥उदुंव  
 सपत्रिया॥सतंसादा॥सकिंतंकुलाइंगुपवमादिज्ञंति॥तं॥पदमंचना  
 गत्रयं॥वीयंपुणासासुइयंदाइअदंभगवतइयं॥चववुयंदविलिज्ञंउ



पंचमसंगं तं दिङ्गं । बहंपुण्यपरिहामयं द्वादश । उद्दहगणास्मएव कुलाङ्गं तिना  
 यद्वा । एषादिताणामि रियुत्तदिताद्वा रियसगुत्तदिता । एवणं चारणगण  
 तासंगणतिगाप । तस्मात्  
 यकुलाङ्गं एवमादिङ्गं ति  
 द्वा रियमालागारी संका  
 दानु । अकिंतं कुलाङ्गं  
 इधमगाद्वा । तइयंपुण्यदालिङ्गं । वनचयंगप्रसमितिङ्गं । पंचसंगं मालिङ्गं  
 बहंपुण्यकुलाङ्गं । इयं द्वादश । मत्रसंगं कचमदं । मत्रकुलाचारणगणस्माद्य

गां इमानुवत्तारिमादानुतिगाया । मत्र  
 । अकिंतं सादानुगएवमादिङ्गं ति । तं ।  
 मीयागावधुआवङ्गतागरी । अतंसा  
 एवमापटमिचवचलिङ्गं वीयपुण्यवी

लद्विंता। नद्वज्जसद्विंता। नारद्वयसगुल्लद्विंता। पत्रसंनुद्वययगणना  
 मंगणतिगण। तस्मां डमात्रवहारिसाह्यव। त्रिचक्रलाइं पवसाद्विंता।  
 सकिंतंसाह्यवपवसा  
 कंदिया। सद्वितिद्विया  
 ॥ तं ॥ नद्वज्जसियंतद्वन  
 कडियगणसाह्यंति।  
 द्विंता। कुंडियगणसगुल्लद्विंता। डवगं। तमवाडियगणना मंगणतिगण।  
 पा। तस्मां डमात्रवहारिसाह्यव। चहारि कलाइं पवसापसकिंतंसाह्यव।



एवमादि॥तं॥सावत्रिया॥रुद्राति॥अंतरत्रिया॥अभिसिद्धि॥सतंसा  
 द्वात्र॥सकितं॥कुलांडुपवमादि॥गणियं॥सद्वियका॥सिद्धियं॥तदा॥इदं  
 पुनरं॥एयांडं॥मवादि  
 तागां॥इसियुत्रदिंता  
 वगां॥साणवगाणां॥मं  
 नातित्रियकुलांडुपवमा  
 दिद्धिया॥गायसिद्धिया॥वासिद्धिया॥सावद्विया॥सतंसाद्वात्र॥सकितं॥कु  
 लांडुपवमादि॥इति॥तं॥इसियुत्रियवपदं॥वीयं॥इसिदत्रियपुणायवं॥

यगणसाहुंतिवत्रारिउकुलांडु॥एरदि  
 काकंदिपदिंता॥वासिद्धयुत्रदिंता॥इ  
 णानिगाण॥तस्मां॥इमात्रवत्रारिमाद्वा  
 दिं॥इति॥सकितं॥साद्वात्र॥पवणकाम॥

तदयं वञ्चनिकं तंतित्रिकलामागावगाणस्माद्यारहिंतासुहियसुण्डि  
 वाहहिंता। काडियकाकंदपहिंतावग्यावञ्चसगात्रहिंता। एवणंकोडिय  
 गणातिगाण। तस्मांइ  
 साहिंति। सकिंतंसा  
 वडरीयमथिसिन्नायाको  
 व। सकिंतं कुलाइंशपवा  
 लिङ्गं। तदयं पुणवाणिङ्गं वञ्चगं पण्डवाहणयं। अराणं सुहियसुण्डि  
 बुहाणं। काडियकाकंदगाणं। वग्यावञ्चसगात्राणं। इमपं वल्लराञ्चं तवामी



अहाववाअनिनायादावा॥तं॥षरअद्युदंरदिन्नपियगंषशषरविद्याहर  
 गावालशकासवगात्रां॥षरइमिदत्त॥षरअरिददात्र॥षरविज्ञाद  
 रगावालदितातत्रां  
 मासादातिगाया॥षर  
 वृणंविज्ञादरीसादाति  
 सवगात्रस्माअज्ञदिने  
 स्मांअज्ञदिनस्मागायमसगात्रसडासादाषराअंतवासीअहाववाअनि  
 नायादावा॥ष॥तं॥षरअज्ञसंतिस्मिण्यमाहरसागात्र॥षरअज्ञसीद  
 विदिंताणंपियगंषदिंताइवृणंमधि  
 दिंताणंविज्ञादरगावालदिंतात  
 राया॥षरस्मांअद्युदंरदिन्नसका  
 ॥षरअंतवासीगायमसगात्र॥षर

गिरीजाऽस्मरकासियसागात्राः।	प्रदिंताणं अङ्गसंतिमणिपदिंताणं
साढरसागात्रदिंताः।	इवणं उच्चाणागरीसादातिगायाः।
प्रमणियसागाढरसागात्रसा।	वत्तारिडासाधरा अंतवासी अदावडा अ
निनायादात्राः।	अङ्गसमिणप। अङ्गतावसा। अङ्गक
वारसाधरा अङ्गऽमिया।	लिपाः। प्रदिंताणं अङ्गसमिणपदिं
ताः।	इवणं अद्यासमिणियासा
दिंतापवणं अङ्गतावसीसादातिगायाः।	प्रदिंताणं अङ्ग
कंवारदिंताः।	पवणं अङ्गकखरासादातिगायाः।
	प्रदिंताणं अङ्गऽमि।



फलिपदिता। इवंगं अङ्ग इमिपलिया माहातिगाया।। प्ररस्मांगं अङ्गमीद  
 गिरिमाडा इमरस्माका मियगात्रस्मा इमवत्रारिषरा अंतवामी अदाववा अ  
 सिनायाहावा।। तं।। प्ररधण गिरी।। प्रर अङ्ग वडरा।। प्रर अङ्ग समि  
 पा।। प्रर अङ्ग अरिहदिने ।। प्रर हिंसांगं अद्य समिपदिता।। गा  
 यमसगुहहिंता।। इवंगं वंसदीविया माहातिगाया।। प्ररदिं  
 तांगं अङ्ग वडरहिंता।। गा यमसगात्रहिंता।। पवंगं अद्य वडरासा  
 हातिगाया।। प्ररस्मांगं अङ्ग वडरस्मा।। गा यमसगुत्रस्मा इमतिनिषरा अंतवामी  
 अदाववा असिनायाहावा।। तं।। प्रर अङ्ग वडरासणिपा।। प्रर अङ्ग पनासा।। प्र

अङ्गराहापरदिताणं अङ्गवद्वरमणिदिता। इवणं अङ्गताइलासाहा  
 दिगाद्या। अरदिताणं अङ्गप्रमदिता। इवणं अङ्गप्रममाहातिगाया। अ  
 रदिताणं अङ्गराहदिता इवणं अङ्गकयंतीमाहातिगाया। अरस्म  
 णं अङ्गरहसवअमगोत्र सा अङ्गप्रमगिरी। अरअंतवासीका  
 मिययुत्ता। अरस्मणं अङ्ग प्रमगिरिस्माका मियमयुत्तसा। अङ्गफ  
 फसुमिन्ना। अरअंतवासी। गायममयुत्ता। वंदामिफसुमिन्वगायमं  
 धणगिरिवमिहं। कुचंमिववयंइंपियाका मियदाचितकंरयं। तंवंदिकण  
 मिरसानहंवंदामिकासवसागात्तणं। एरकंकासवंगात्तं। रकं पियकासवंवदे



॥ वंदामि अज्ञानां च गाय संज्ञाद्विलंबवामिहं । विण्दं मातरगात्रं । कालगम  
 विणाय संवदा गाय मगात्रं क मारं संपलिलयं तद्वयसद्वयं वंदा । अरं व अज्ञ  
 बुहं गाय मगात्रं पणिवया मि तं वंदि कण मिरसा मिरसत्र वरि त्रमाण  
 संपन्नं । अरं व संपवति य कामवगात्रं पणिवया मि । वंदा मि अज्ञ  
 दक्षिं व काम वं रं ति माग रं धी रं । मि हाण पट म मा म काल गयं व  
 वसुद्वसा वंदा मि अज्ञ धमं वसुवयं सी ल ल हि संपुत्रं । इ स्म ति र क म ।  
 णादा वा वं रं सु वं सं ध र ड । वं काम व यु सं ध मं सि व सा ह गं प णि व या मि । सी  
 वं काम वं गा त्रं ध मं पि य का म वं वंदा । सु व त्र र य ण च रि ष व म द म स ह व यु णा

ॐ वासुदेवे

दिं संपात्रादविहिस्वमासमाणाकासवगा  
 ह्यपणवयोमि॥व॥तणं कालाणं तणं सस  
 णा नगवं महावीरवासा लं सवी  
 सइरापमासविइकंता वासावा  
 संपाज्ञासावइसाकत णं आह  
 णं सतपवं बुद्धसमणे नगवं स  
 हावीरवासाणं सवीसइरापमासविइकंता  
 वासावासंपाज्ञासावइजनं पापणं अगा



शीणं अगाराडं। कडियाडं। कुंकणियाडं। वनाडं। लिनाडं। युनाडं। घडाडं। महाडं। सं  
 महाडं। संधुवियाडं। खानदगाडं। खाननिदुसणाडं। अणणा अहाणकडाडं। प  
 रिनुनाडं। परिणामियाडं  
 सगवं महावीरवासणां  
 प्राज्ञासवड। उदाणां स  
 पमासविडकंता। वासा  
 साणं सवीसडराणमासविडकंता। वासावासं प्राज्ञाणां गणहरा सवीसडराण  
 मासविडकंता। वासावासं प्राज्ञासविति। तदाणां गणहरा सीसा विवासाप्राज्ञा

सवति। सातणं अहाणं एवं बुडड। समण  
 सवीसडराणमासविडकंता। वासावासं  
 सगवं महावीर। वासाणं सवीसडरा  
 दासंप्राज्ञासवड। तदाणां गणहरा विवा  
 साणं सवीसडराणमासविडकंता। वासावासं प्राज्ञाणां गणहरा सवीसडराण  
 मासविडकंता। वासावासं प्राज्ञासविति। तदाणां गणहरा सीसा विवासाप्राज्ञा

इहाणंगणद्वसीमावासापतहाणांघराविवासावासंपाज्ञामविंति। इहा  
 गांघरावासावासंपाज्ञापतहाणांइइमअज्ञानाण। समणातिगांघाविहरं  
 ति। पतवियगांवासाणं  
 ज्ञानाणसमणातिगांघा  
 वासावासंपपतहाणांअ  
 ज्ञामविंति। तहाणांअ  
 कंतवासावासंपाज्ञामावासाअंतगवियसक्यइ। पाज्ञामविंत्तणमा  
 सक्यइ। तंरयणांनुवायणांरवणांवासावासंपाज्ञामवियगांक्यइ। ति



गंघाणावा। निमंघीणावा सव न संतासाका संजायगां उगादं उगिदिज्ञागां ह  
 रिदिगं अहलं दस विजागाह ॥ व ॥ वासावा संपा कय इति गंघाणावा सव न सं  
 संतासाका संजायगां गंघं पडिनियत्र पा। उच नई निजा दगां  
 नित्र संदणाना स कण इ। सव न संतासाका संजायगां निस्क  
 यरिया प गंघं पडिनिय त्र पा। पर व ई कणा ला पा। उच व क्रिया सि  
 या प गंघा यं डाल कि द्या। प गंघा यं डाल कि द्या। एवं व क्रिया प  
 व सं कण इ। सव न संतासाका संजायगां गंघं पडियत्र पा। एवं ना व क्रिया।  
 एवं सा ना कण इ। सव न संतासाका संजायगां गंघं पडिनियत्र पा ॥ व ॥

सिरकाय रिया

वासावासंपाज्ञासवियाशां आह्वगईयाणां एवं बुद्धं पुत्रं हवडा दावनांतप  
 संसकयडदावित्रपातासकयडपडिगाहिनपावा वासावासंपाज्ञासवि  
 याणां आह्वगइयाणां एवं बुद्धं पुत्रं हवडा दावनांतप एवंसकय  
 डपडिगाहिनपातास कयडदावित्रपाता वासावासंपाज्ञास  
 सवियाणां आह्वइया हनांतप एवंसकयड  
 कयडनिगांघाणां दानिगांघीणवा हहाणां आरागाणां वलियमरीगां दुमा  
 नुनवरसविगईनं अलिरकां आहारिन्नपातं स्वीरं दद्विं नवणीयं सयिं ह



तिलां युडं। मडुं। संसं। मङ्गं॥ वा। वा। मा। वा। सं। प। ज्ञा। म। वि। या। णं। अ। च्च। ग। ड। या। णं।  
 पदं बुत्तुपुवंदवड। अहा नंत गिलाण स्मास वड ज्ञा॥ अहा मय पुत्रियत्र  
 कि वड गणं अहा गिला  
 ण स्मा। जं। स। प। मा। णं। वड  
 ।। म। य। व। न्ना। व। मा। णा। ल  
 ड। ड। व। न्ना। वं। मिया।। स। कि  
 या। णं। ए। वं। व। दं। तं। प। रा। व। दि। ज्ञा।। प। डि। गा। द्दि। अ। ज्ञा।। उ। सं। प। च्चा। पु। र। क। सि। वा। द।  
 द्वि। सि। वा।। ए। वं। स। क। ष। ड। प। डि। गा। द्वि। त्त्र। णा। ना। स। क। ष। ड। गिला। ण। ती। मा। ए। प। डि। गा।

पाहि सिवा ११

द्वित्रयावावासावासां पञ्चासवियोगोऽत्र त्रिणां षण्णानां तदप्यगाराडं कुला  
 ङं कडाडं पत्रियाडं विज्ञाडं एवसासियाडं समयाडं बद्धमयाडं अगुम  
 साडं इवसासाकाण्ड  
 वासासावासां पञ्चास  
 सायरकालं गाढावड  
 पवापदिमित्रपवासात्रय्यां आयशियावयावस्यणवापवं नवद्वयावतव  
 स्मिवागिलाणावा रकुडुपणावा रकुडुपयापवा पत्रं कण्डायपणं वा ॥ ४ ॥



वासावासंपाज्ञासवियस्मात्तत्रत्रियस्मिन्निकुस्मत्तुयंयवयपंवेसासंजं  
 स्यात्तत्रिकंसापुत्रामववियदगंतुद्यापत्रापडिगादंगंमल्लिद्वियसंपमल्लि  
 यामयसंप्रिज्ञा॥कण  
 विज्ञापामयाणासंप्रि  
 लंनज्ञापवापाणापवा  
 सावासंपाज्ञाएवहनत्रि  
 दावडकुलंनज्ञापवापाणापवा  
 अहमनत्रियस्मिन्निकुस्मत्तुयंयवयपंवेसासंजं  
 इस्मत्तद्विवसंतणावसत्रदृगां॥पज्ञाम  
 ज्ञा॥पवंसकण्ड॥दासंपिगादावडकु  
 तिरकमित्तपवा॥पविमित्तपवा॥ब॥वा  
 यस्मिन्निकुस्मत्तुयंयवयपंवेसासंजं  
 दावडकुलंनज्ञापवापाणापवा॥निरकमित्तपवा॥पविमित्तपवा॥वासावासंप्रि  
 अहमनत्रियस्मिन्निकुस्मत्तुयंयवयपंवेसासंजं॥उगादा

वडकुलं सत्रापवा पाणापवा निरकमिन्नपवा पविमिन्नपवा वासावासंप  
 पविमिह नत्रियस्म निरक कयंति सात्रविगाय रकाला गादावडकुलं सत्रापवा  
 पाणापवा निरकमिन्नपवा पविमिन्नपवा वासावासंप ज्ञाम विद्यस्म  
 निन्न नत्रियस्म निरकुस्म कयंति सत्राडं पाणागाडं पडिगादिन्नप  
 वासावासंप पव नत्रियस्म निरकुस्म कयंति तत्रुपाणागा  
 डं पडिगादिन्नप तां नत्रियस्म कयंति तत्रुपाणागाडं पडिगादिन्नप तां तिले  
 संपाज्ञापवह नत्रियस्म निरकुस्म कयंति तत्रुपाणागाडं पडिगादिन्नप तां तिले  
 दया नत्रुसादागा डावादागा वासावासंप पव नत्रियस्म निरकुस्म कयं



ति। तत्र पाण्डुपुत्रिणां हि त्रयः ॥ तं ॥ आशासप ॥ सावीर ॥ सुद्विविद्युद ॥ व ॥ वासा  
 वासंपुत्रासवियस्मा ॥ विविद्वत्त्रियस्मकण्ड ॥ पाण्डुसिद्धिविद्युदपुत्रिणां हि त्र  
 य ॥ सवियगं अमिन्नगा  
 नत्रपुत्रियाइ रिकयस्मा ॥  
 विद्विन्नप ॥ सवियगं अमि  
 पुत्रताचवगं अपरिपुण  
 सिन्नप ॥ व ॥ वासावासेपी संवदत्रियस्मा ॥ निरकुस्मकण्डं ति ॥ पंचदही नलायण  
 सपुत्रिणां हि त्रयः पंचपाण्डुस ॥ अहवाचत्रा रिनायस्मपंचपाण्डुस ॥ अह

विद्यगं समिन्न ॥ व ॥ वासावासेपी संवदत्रियस्मा ॥ निरकुस्मकण्डं ति ॥ पंचदही नलायण  
 सिरकुस्मकण्डं नमिणादसापुत्रिणा  
 त्वाताचवगं समिन्न ॥ सवियगं परि  
 सवियगं परिपुण ॥ पाण्डुसपंचपाण्डुस ॥ अह

वावन्नारिणागसांपंचलायासास्यतत्राणंपगादहीलायासायणामिन्नम  
 विपडिगादियाभियाकयडासातद्विवसंताणावसन्नहणंपरुजासवित्तण  
 नासकयडादावंपिह  
 कसिन्नपवापविमिन्न  
 सांपडावउस्मयाउमन्न  
 पपगापवमाहंसुवाह  
 वस्मयाउपारणसंशुडिंसंतिहचारिस्मपन्नपवापगापुणपवमाहंसुना  
 कणडाडावउवसायाडापंपारणासंशुडिंसंतियहचारिस्मपन्नपवाप  
 गाहावडकुलंसत्तापवायाणापवा।नि  
 यवा॥वा॥वासावासंपयात्ताकयडा।नि।  
 परंतंरंसंशुडिंससियहचारिस्मपन्न  
 पगापुणपवमाहंसुनाकयडाडावउ



सांवासंप्रप्राणाकचड। प्राणियडिगादियस्मनिरकुस्मकणागफुमियमित्त  
 मविबुडिकायंमिनियमाएंसि। गकावडकुलं। डावपविमित्तपवा। वा। वास  
 वासंप्रप्राणियडिगादि। यस्म। निरकुस्मानाकचड। अगिदिंसि  
 पिंडवायंप्रडिगादिज्ञा। यज्ञामवित्तप। वा। वासावासंप्रप्राण  
 णियडिगादियस्म। अ। गिदिंसि। पिंडवायंप्रडिगादिज्ञपयज्ञ  
 मासमागस्म। महस्म। बुडिकापतिवडिज्ञादसंचुवादसंअ  
 याप। प्राणियाप्राणंप्रिदिज्ञावरंसिवाणंणालजिज्ञा। करकंसिवाणं  
 मसाडदिज्ञा। अहावनाणिया। लणायिवागविज्ञा। करकमुलाणिया

१७२

उवागविज्ञा। कदास्यमिंसिंरपवा। दगरपवा। दगकुमियावातापरियाव  
 कृडा। व। वासावासंपपपाणिपडिगादियस्मनिरकुस्मडंकिंठिकगागकुमि  
 यासिंरंठितिवडुडतास  
 पवा। पविमित्रपवा। ॥ ४ ॥  
 ताकपडावग्यारियवु  
 णापवा। निरकमित्रपवा  
 संशिसंतकृदवंसि। गादावडुकलं। नत्रापवा। पाणापवा। निरकमित्रपवा। प  
 धिमित्रपवा। ॥ १ ॥ १ ॥ वासावासंपपतिगांयस्मगादावडुकलं। पिंडवायपडि



सापुत्रपुत्रविहस्यति निमित्तं च बुद्धिकायाः तिव इत्था कथं शस्यते आगतं  
 मिवा आह उवस्मयं मिवा आह विरुडि देमिवा आह कथं कथं मिवा उवा  
 गच्च निपुत्रं तत्रासु  
 उल्लिखितं गृह्यते कथं  
 इति गृह्यते पडिगा  
 उल्लिखितं गृह्यते पत्रासु  
 गदित्रपुत्रा कथं वा उला दणा पडिगा इति गृह्यते तत्रासु पुत्रा गमणां  
 पत्रा इति पुत्रा उला इति कथं तिसादा विरुडि गदित्रपुत्रा तत्रासु पुत्रा ग

मण्णं विपञ्चनत्तां नानामकण्ठं तिद्विदिगादित्रयाजामतच्चपुव  
 मण्णं पुञ्चनत्तामकण्ठं इदिमादित्रयाजामतच्चपुवगमण्णं पञ्च  
 नत्तामनाकण्ठं इदिगा  
 द्वात्तं कुलं पिंडवायपदि  
 एतिवपञ्चकण्ठं इदिमा  
 अद्विद्युदुगिदं सिवा  
 वावा नानामकण्ठं पुञ्चगदिपणं सत्रयाणं वलं उवाइणा वित्रयाक  
 ण्ठं मपुञ्चामवविद्युदुगं पुञ्चापिवा इदिगाहं संतिद्विद्युसंपमज्जियु



एकायतं नंडां कहुं सावासां सुविण। जणावनवस्मए। तणावनवागच्चिन्ना।  
 स्मकण्डतं रयणिं तच्च वउवाइणा वित्रप। वासावासां निगां प्रस्मागादावड  
 कुलं पिंडवायपडियाएअ  
 वपज्ञा। कण्डसआहआ  
 उवागच्चिन्ना तत्रात्ताकण  
 गां। एगयत्र विहित्रप। वा।  
 माययनिगांधीएपगयत्र विहित्रप। वा। प्रतत्रात्ता कण्डादाएदयनिगांधीं दु  
 एदयनिगांधीगायपगयत्र विहित्रप। धअत्रियइत्राकडुपं वसएयकावा। रकु

दियावा। अत्रसिंवा संलापासपडिदुवागएवाहंकण्डगगयउविहिनपाव  
॥ वासावासंपनिगांघस्मगाहावडकुलंपिंडुवायपडियापा। अणुपविहस्मनिगित  
दियशुबुडिकाएनिवडजा। कण्डसअहआगसंवा। अहववस्मयं  
वाउवागसिन्नप॥ वा। तत्र नाकण्ड। एगस्मनिगांघस्मगाएयअग  
रीपएगयउविहिनपावउ नंगाअत्रिया। इबकइपंवमपाघारवाघ।  
दियावा। अत्रसिंवा। सलो एसपडिदुवाएपवंकण्डगगयउविहि  
त्रपपवंत्रवनिगांधीए। अगारस्मनाणियवं॥ वा॥ वासावासंपणनाकण्डनिगांधा  
णावानिगांधीएवा। अणुडिसात्रगां। अणुडिसत्रस्मअहाएअसगांवाधजावपडि

गाह्वर्यासकिमाहुनंतइत्तापराअथडिसात्रचुंङ्किङ्गाइत्तापराचुंङ्क  
 ज्ञावासावासंपानाकथइतिगंधाणावातिगंधीणावाउदनुत्ताणावासिमिति  
 र्द्वणावाकापणंअसणं  
 सिणाहायत्रणातंणा  
 अहकृहाउत्तकृहाअ  
 विन्नसिणाहायवंसक  
 वासंपपइहस्वचुनिगंधाणावातिगंधीणावाइसाइअहसुहसाइडाइवउसत्त  
 णंनिगायणावातिगंधीणावाअनिरकणंङाणियवाइपासियवाइपडिलदिय

वाधअहारित्र्यासकिमाहुनंतसत्र  
 णीयाणिलहाणाहातदसिहासुहा  
 हपुणाएवंङाणिज्ञाविगवमेकाए  
 णइअसणंवाधअहारित्र्यावावासा

दप

रा

तंजहा

वाइंनवंति। पाणसुहसं। पाणसुहसं। वीयसुहसं। हरियसुहसं। पुष्कसुहसं  
 । अंडसुहसं। लणसुहसं। शिणसुहसं। अकिंतं पाणसुहसं। पाणसुहसं पंच  
 विहपत्रात्तं। किणहनी  
 वृअणुवरीनासं। जाठिया  
 वा। तावकुष्पासं हवसा  
 निगांधाणवापवकुष्पा।  
 निगांधीपवा। अकिणं गजाणियवा। पासियवा। पडिलदियवा। नवश। सतं  
 पाणसुहसं। वा। अकिंतं पाणसुहसं। पाणसुहसं पंच विहपत्रात्तं। किणह



95

नीललाहियहालिह। सुकिला। अत्रिणगसुद्धाम। तद्वसमाणावना। नामप  
 नत्वा। इतिगांषणवागडावपडिलहियमावसवशासतंपणगसुद्धाम॥ व॥ अ॥  
 किंतवीयसुद्धाम। वीयसुद्ध  
 दिपाहालिह। सुकिला। संपंविहपमात्रातं॥ किणदनीलाला  
 पतामंपमात्रा। इववमच्च अत्रिवीयसुद्धाम। कणियासमाणावस  
 । सतंवीयसुद्धाम॥ व॥ अ॥ णंतिगांषणवागडावपडिलअवसवश  
 हपमात्रा॥ तं॥ किणदजावसुकिलअत्रिहियसुद्धाम। सुटवीसमाणावसपना  
 सपत्रा। इतिगांषणवागडावपडिलहियमावसवशासतंपणगसुद्धाम॥ व॥ अ॥

१५

सतं हरिय सुद्धामा वास किंतं पुष्प सुद्धाम शंपं व विदप समात्तां किणद  
 जाव सुकिल अत्रि पुष्प सुद्धाम रुक् समाण वन्नपता संपन्नत्ता जाव न सा सुगां  
 निगां षण वा प्रजा रा वा जा व न वडा सतं पुष्प सुद्धामा स किंतं अंड  
 ड सुद्धाम शंपं व विदप न्न त्ता तां उद संडा बु कलियं ड पि पी लि  
 यं ड दाला दंड दाला द त्तियं ड इ निगां षण वा निगां घी प वा  
 जाव प डिल हिय व र व ड सतं अंड सुद्धामा वा षा स किंतं लण  
 सुद्धाम शंपं व विदप समात्तां उ त्तिं गालाणां सि गुलाणां उद्यु पता ल सु ल प सं  
 बुक्का व द ता संपं व सा ज निगां षण वा प्रजा रा य वा जा व न वडा सतं लण



सुहास॥व॥म किंतंमिणाद सुहासयं च विदुः समाह्वानस्मादि स पा स द्विया  
 । करण । दरत गु पा ड तिगां षण वा र अनिरका गां पूजा व प डिल द्विय च न व ड  
 । स तं मिणा द सु ड्हा स ॥ प वा  
 तं न त्वा प वा । पा ण प वा नि  
 ड । अ णा सु चि त्वा । आ य रि  
 ण द रं । ग णा व च य यं । डं  
 चि तं । आ य रि यं वा । ड । व डं वा प र न का नं वि द र ड । ड च्वा मि णं नं स च्वा ष्च दिं अ सु  
 पु त्ना ण । स मा णा गा द्वा व ड कु लं न त्वा प वा पा ण प वा । नि र क मि त्त प वा । प वि मि त्त प

सा वा सं प नि र्कृ वा ड वि ज्ञा गा द्वा व ड ड  
 र क मि त्त प वा । प वि मि त्त प वा । वा स क य  
 यं वा । न व द्वा यं वा । ष रं । प व त्तिं ग णिं । न  
 वा पु र न का नं । वि द र ड क य ड स आ पु

१५६

वा। तयसर्वियरिज्ञापवंसकण्ड। गदावडु कलं। नत्रापवा। जावपविमित्त  
 पवा। तयसतावियरिज्ञापवंसताकण्ड। जावसत्रापवा। जावपविमित्तप  
 वा। सकिमाडुसंतश्रय विद्यापत्रवायंजाणंति। एवंविहारत्रुमिं  
 वा। वियारत्रुमिंवा। अत्रंवा डंकिंविपत्रंअणंपवंगसाणुगामंडडह  
 श्रित्तप॥ व॥ वासावासंण॥ निरुकडविज्ञाअत्रयविंविगडंआदावि  
 न्नपा। तासकण्ड। आणा पुविज्ञा। आयरियंवाजावगणावस्त्रयं  
 वा। डंवापुरत्रकहुविहरड। कण्ड। अपुविज्ञाणं तं। ववडुजासिणं। संतत्राप्र  
 हिंअणुनाएसमणाअत्रयविंविगडंआदावित्तप॥ तं॥ एवडयंवा। एवंडु। कु। सावा



तस्यसर्वियरिज्ञा। एवंसकण्ड। अत्रयरिंविगडं आहारिन्नप। तस्यसनाविय  
 रिज्ञा। एवंसनाकण्ड। अत्रयरिंविगडं आहारिन्नप। सकिमाकुरंतआयरि  
 यापुत्रवायंजागंति।। व।।  
 इहंतिआवदित्तपतंखव  
 अत्रयंरंतरालंतवाकसं  
 ।। व।। वासावासंपनिरकुर  
 असाणाजसिए। सत्रपाणापडियाइरिपयानवगपकालं अणवकंरमाणविहर  
 त्तप। निरकसित्तपवापअसाणंधआहारिन्नप। उच्चारंपासवणंवापरिहवित्तप। स।

आयंवाएकरिन्नपाधमडागरियंवाडागरिन्नपानासकण्डाअणापुचिन्ना  
 तंखवावासावासांनिरुक्तयइचिद्याववेवंएडिगाहंवाकवलंवापायपुं  
 वणंवाअन्नयंवावंवदिं  
 कण्डगाहावइकुलंनना  
 विहारत्रुमिंवाविद्यारत्रुमिं  
 मंताइन्नपाअचियइचुक  
 अणागावाकण्डासपवंवदिन्नपाइमंताअजात्रुमंमुहुन्नगंजाणादिजावताव  
 अहंगाहावइकुलंजावकाववसगंवावागंवाइन्नपासयसपडिसुणिजाप



वंसकयडागादावडकुलंताचवासयसामाएडिसुणिज्ञाएवंसताकयडागा  
 दावडकुलं।जावकानसगांवा।गणंवाएत्रए॥ब॥वासामसंपपताकयडातिगं  
 घाणवाएअणनिगादिमिं  
 यं।अणनिगादियंसज्ञा।  
 धिस्म।अभियासणियस्म  
 णंअपडिलदणासील  
 सडुगगादपसवड।अणादाणसयं।अनिगादियसियासणियस्मउवाइकु  
 डयस्म।अहावंधिस्म।भियासणियस्म।आयावियस्म।सभियस्म।जावअनि

येज्ञासणिएणंदात्रए॥ब॥आयाणस  
 सणियस्म।अणुवाकुडयस्म।अणहावं  
 ।अणायावियस्म।असभियस्म।असिस्  
 स्म।अपमज्ञणासीलस्म।तदाणंसंज

र्कगं प्रडिलदगा सीतस्मा प्रमङ्कणा सीतस्मा तद्वागं संडा मसु अराद  
 पलवडा वासा वासं प्रकण्ड तिगं घाणा वा तिगं घीणा वा तत्र उच्चारण सवगा  
 हृमीनं प्रडिलदिति त्रपा ततद्वा ● त्दसत गिहा सुडा काणं वासा वासं सुंसा  
 किता डुलं तं वासा सुगं उ मन्नं पाणा यं तगा यं विया यं एणा गायं द  
 शिया गिनं ति वासा वासं प्रकण्ड तिगं घाणा वा तत्र मत्रगा डं गि  
 गिहृत्रपा तं उच्चार मत्रपाणा सवगा मत्रपा रवत मत्रपा वा वासा वासं प्र  
 त्ना कण्ड तिगं घाणा वा डुपं प्रङ्का सवगा नैगां ला मय्य माणा मत्रा विं कसां तं र  
 यमिं न वायणा विज्ञपा अङ्कां रवुर संडा गा वा बुक्क सिरपा वा द्वा यं वं सिया

पश्चिमा आरावणा सासिण्वरमुंड अहसासिण्वरमुंड। वसासिण्वरमुंड। संव  
 वशिवा। मारकाया। वासावासां पानाकया इतिगांघाणावाप्राज्ञासवणात्  
 अदिगरां वंदित्वा। इगांति गांघावा। तिगांघीवा। पंराज्ञासवणात् अ  
 दिकरां। वयडासां अक णां अद्यावयमीति। वत्तवसिया। इ  
 गांतिगांघावापरापद्या। सवणात् अदिकरां वयडासां तिद्युदि  
 यवसिया। वासावासां। उमाव्याने इहस्वत्तिगांघाणावाप्राज्ञावकरकाड।  
 कडुपा। बुगाहससपथिद्यासाहारायणियं रवासिद्या। रायणियं रवासिद्या  
 ॥ १२०० ॥ रवसिद्यं। रवसावियं। उवससिद्यं। उवससावियं। संसुह संसुवणात्

Source gallica.bnf.fr / Sanscrit 1453

कुलगांधारयंत्राडावममइतस्मअत्रिआगदणाडाववममइतस्मत  
 विआगदणातत्राअणणावववममियंत्रासकिमाकुसंतावममसारंखु  
 सामन्नंवासावासंयकण  
 ॥तं॥तं॥त्रिवियापडिलहा  
 इअत्रयरिंदिसिंवाअणुदि  
 सकिमाकुसंतावमन्नंम  
 तितवस्मीदुञ्जालकिलंतमुत्रिकुवापवडिकुवातामवदिसंवाअणुदिसंवास  
 मणालगवंतापडिजागरंतिवावासावासंयकणइतिगंधस्मवागडाववत्रारि



पंवाजायणाइंगंउंयडिनियत्रय।अंतसाविमकण्ड।वचपतामकण्ड।तंरयणिं।  
 तस्वचुवायणावित्रय।वा।शत्रयंसंतचरियं।घरकणंआदासुत्रं।अदाकणं।ह  
 अदासगं।अदातत्रं।ससं  
 रित्रा।किदित्ता।आगदित्ता  
 णवसवगदणाणंसिद्धति  
 रकाणसंतंकरंति।आत्रगड  
 ति।सत्रदसवगदणाइंताइक्षसंति।वा।तणंकालणंतणंसमपणंसमरणसग  
 वंसदावीरगुणमित्पाचडंय।वहूणंसमणणं।वहूणंसामणीणं।वहूणंसावग  
 रायमहेनयरे

गंगुवक्रुगांरुवागां। ब्रह्मगांगसादवमयुयां सुगाणपरिसापमद्वगणववसाइरक  
 इ। एवंनामडा। एवंयन्नाबडा। एवंप्रह्वडा। पाज्ञासवणाकण्यानामअद्ययगां। सअ  
 ङंसादहनयं। सकारणंमसु  
 इतिवसि॥ व॥ पाज्ञासव  
 तसुंधस्य॥ व॥ श्रीः॥ व॥  
 संवत्प्रवर्णवर्षाशाक  
 साशुक्रपाका। पंचम्यांतिषि॥ गुरुवासराशुनायागवर्तमान॥ सर्ववंशकैमु  
 टचूडामणि। श्रीमालीजातिवान्। वकरवांकासायनिलयकलानंददायिनी॥



वाश्टवक्त।तायाःपुत्री॥सुसुरपदे।अष्टिगलाजायाबाईवान्।तस्याःसुत  
अष्टिगलाजायाःपुत्रद्वैतकरामाष्टसुरवकरा।सतीचक्रब्रह्ममणि।दान  
शीलतायासावनांगध  
श्रीविकाजीबाईताम्री॥  
तस्यापुत्रिकासिखाया  
णादत्ता॥यावच्चक्रब्रह्म  
नागदत्त।तावत्त्रिष्टुष्टुसिका॥श्रीवीतरागप्रसादात्सुखंभवत्॥१४



